रणजीत टाइम्स

वर्ष : 1, अंक: 111 इंदौर, गुरुवार 24 अप्रैल 2025

RNI-NO.MPHIN/2015/64585

DIGITAL EDITION

पहलगाम में हुए आतंकी हमले के बाद इंदौर में भारी रोष

आतंकवाद का पुतला फूंका

पाकिस्तान मुर्दाबाद के नारे लगाए

आदित्य शर्मा

इंदौर। कश्मीर के पहलगाम में पर्यटकों पर हुए आतंकी हमले से पूरा देश आक्रोशित है। इंदौर में भी सर्वधर्म संघ के बेनर तले आतंकवाद का पुतला फूंका गया और पाकिस्तान मुर्दाबाद आतंकवाद मुर्दाबाद नारे लगाए आंतकवादियों को गोली मारो जैसे गंभीर नारे लगाते हुए आतंकवाद का पुतला जलाया।

लोगों ने आतंकी हमले की कड़े शब्दों में निंदा की। प्रिंस यशवंत रोड स्थित इमली साहिब गुरुद्वारा चौक पर सर्वधर्म संघ के मंजूर बेग के नेतृत्व में और सभी धर्म के गुरुओं की की खास मौजूदगी में पहलगाम आतंकी घटना के खिलाफ प्रदर्शन किया गया। घटना में इंदौर के मृतक सुशील नथानियल सहित सभी मृतकों की आत्मा की शांति के लिए और घायलों की सलामती के लिए दुआ की गई। इस मौके पर सर्वधर्म संघ के अध्यक्ष मंजूर बेग ने कहा कि ये हमला इंसानियत के लिए सबसे बड़ा दाग है। उन्होंने कहा इस्लाम मज़हब की तालीम (शिक्षा) है कि किसी बेगुनाह इंसान की हत्या करना पूरी इंसानियत का कत्ल करना है। मंजूर बेग ने कहा कि ये आतंकी हमला इंसानियत का कत्ल है। ऐसी घटना को अंजाम देने वाले शैतान हैं, इनको किसी मज़हब से नहीं जोड़ा जा सकता। साधु संतों ने कहा कोई भी मजहब इस तरह की हिंसा की इजाजत नहीं देता जिसमें मासूम लोगों का खून बहाया जाए। उन्होंने कहा पहलगाम में हुए आतंकी हमले की हम कड़े शब्दों में निंदा करते हैं और जो लोग मारे गए हैं उनके परिजनों से हमदर्दी का इजहार करते हैं साथ ही घायलों के जल्दी स्वस्थ होने के लिए दुआ करते हैं। पुतला दहन में मुख्य रूप से संस्था उपाध्यक्ष रियाज खान राष्ट्रीय संत अरुण आनंद महाराज वर्धानंद महाराज माहिर शाह वारसी बाबा मौलाना हकीम सोहेल पठान काजी अकबर एडवोकेट जितेंद्र त्रिपाठी जीतू बाबा मेहर अली शाह वारसी इदरीस बाबा याकूब ख़ान आशिक़ बाबा वारसी मोहम्मद अकबर जाकिर खान रवीश पचौरी रोहित जोशी मुकेश बजाज फैजान बैग अयूब पठान इरशाद भाई एडवोकेट समीर बैग एडवोकेट जुनेद अहमद ख़ान दिलशाद पठान शकील खान बड़ी संख्या में लोग थे

प्रभु से मिले उनके दास

आदित्य शर्मा

दलित दुल्हा दुल्हन को कराया मंदिर प्रवेश... भावुक हुआ दलित दूल्हे का परिवार

कहा - पहली बार दर्शन किए भगवान राम के, कल किया था अपमान आज किया सम्मान...

इंदौर जिले के राजेंद्र नगर थाना अंतर्गत ग्राम निहालपुर मुंडी में दलित दूल्हे विशाल पिता विजय चौहान की कल बनौली निकलना थी, बारात निकलते वक्त उसने भगवान श्री राम के दर्शन करने का प्रयास किया परंतु गांव के तथाकथित कुछ दबंग लोगों ने उन्हें अपमानित कर कर मंदिर से भगा दिया था। इस घटना से समस्त दलित समाज आक्रोशित हो गया था परंतु बीच में संघ के वरिष्ठ कार्यकर्ताओं ने समझाइश और समन्वय का जो तना-बना बुना वह प्रशंसनीय है। जिसके कारण बिना विवाद के निर्विवाद रूप से आज दूल्हा अपनी दुल्हन के साथ अपने परिवार के साथ अपने रिश्तेदारों के साथ निहालपुर मुंडी गांव में स्थित भगवान श्री राम के मंदिर में प्रवेश कर भगवान श्री राम के दर्शन कर पाया। स्थानीय दलित समाज के लोगों ने कहा कि हम सब दलित समाज के लोग भगवान को दूर से प्रणाम करके निकल जाते थे क्योंकि हम सबको मन्दिर प्रवेश की अनुमति नहीं थी।

आज RSS के वरिष्ठ कार्यकर्ताओं और अखिल भारतीय बलाई महासंघ के कार्यकर्ताओं एवम् पुलिस प्रशासन के सहयोग से हम सभी ने सपरिवार और रिश्तेदारों के साथ भगवान श्री राम के दर्शन किए आप सभी का धन्यवाद आभार..... तत्पश्चात् दलित समाज ने मन्दिर के अंदर राम नाम संकीर्तन का पाठ किया और प्रसन्नता जाहिर की...

आज दूल्हे के परिवार को जो खुशी मिली उसे लिखने के लिए शब्द नहीं है मेरे पास....

इस पावन पवित्र कार्य में सहभागी बने कपिल चौधरी, संदीप चौधरी, रोहित पटेल, अर्जुन सैंडो, महेश पटेल, प्रशांत चौहान, ऋषित मालवीय,दिनेश जी हिरवे,संतोष जी अलोने,गणेश राव मराठा लक्ष्मण खेड़े, सोनू चौहान, सोम बहादुर सोनी, गौरव वानखेडे, विमला भंडारी, नर्मदा गुर्जर, मुकेश प्यासे, रणजीत सिंह राणा, गोलू चौधरी, रितेश राणा, सचिन कोचले, रोहित आंजना, विशाल सारवान, सुनील कटारिया, रितेश परमार, गोलू राठौर, लखन देपाले, रेखा वर्मा, खुशबू श्रीवास्तव, उदय सिंह राठौड़, प्रशांत सावनेर, आकाश चाकरदे, राज परमार, विनोद कटारे, सहित सैकड़ो की संख्या में सर्व समाजजन इस पुनीत कार्य में सहभागी बने ..सभी का हृदय की गहराइयों से साधुवाद धन्यवाद आभार....

रेडीमेड कांप्लेक्स में सभी मृतकों के लिए मोमबत्ती जलाकर श्रद्धांजलि अर्पित करेंगे

इंदौर।परदेशीपुरा रेडीमेड कांप्लेक्स वस्त्र व्यापारियों ने पहलगाव मैं हुए आतंकी हमले में निर्दोष पर्यटक हिंदुओं को निशाना बनाते हुए 27 जनों को बेरहमी से मार दिया। इस आतंकी घटना का समस्त वस्त्र व्यापारी कड़े शब्दों में निंदा करता है और देश के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी जी और गृहमंत्री अमित शाह जी से यह निवेदन करता है कि पड़ोसी देश पाकिस्तान में पनप रहे इन आतंकवादियों को इनके ही घर में घुसकर मौत के घाट उतार देना चाहिए एक को सर्जिकल स्ट्राइक कर कर इन आतंकवादियों को कल संदेश देना चाहिए।

यह जानकारी रेडीमेड कांप्लेक्स परदेसी पुरा व्यापारी एसोसिएशन के पूर्व अध्यक्ष विकी कॉलोनी ने दी। साथ ही 23 अप्रैल को शाम को 7:00 बजे समस्त व्यापारी गण रेडीमेड कांप्लेक्स में सभी मृतकों के लिए मोमबत्ती जलाकर श्रद्धांजलि अर्पित करेंगे।

सेठ गोपीलाल भांकर यादव की चतुर्थ पुण्यतिथि मनाई

समाज की बेटियां का सम्मान किया

संजय प्रेम जोशी

हाटपिपल्या। समाज सेवी स्वर्गीय सेठ गोपीलाल भांकर यादव बाऊजी की चतुर्थ पुण्यतिथि के अवसर पर उनके पुत्र जगदीश यादव व पौत्र भुपेंद्र,दीपक द्वारा पुण्यतिथि का आयोजन रखा गया। इस अवसर पर यादव समाज की कथा वाचक शिवानी यादव झिकडाखेडा व समाज की नेहा यादव बेहरी द्वारा बाऊजी का सुंदर चित्र पेंटिंग कर बनाने पर पुण्यतिथि पर पर मुख्य अतिथि पुर्व मंत्री दीपक जोशी व भांकर यादव परिवार द्वारा समाज की दोनों बेटियों का शाला श्री फल भेंट कर सम्मानित किया गया। इस अवसर पर बाबूलाल शर्मा, छगनलाल मिस्त्री,संजय प्रेम जोशी (अध्यक्ष जन परिषद हाटपीपल्या चैप्टर)रामप्रसाद पाटीदार, महेंद्र सिंह सेंधव फागटी, डां जे सी यादव ,

बागली मण्डल अध्यक्ष गोविंद यादव, आदि मौजूद थे संचालन ओमप्रकाश यादव ने किया आभार मनोज जोशी ने माना। पुण्यतिथि पर सुंदरकांड पाठ का आयोजन रखा गया जिसमें सामंगी की भजन मंडली द्वारा सुंदर काण्ड का पाठ किया गया। इस अवसर पर सेकंडों समाज जन एवं संयुक्त समाज जनों ने पुष्पांजलि अर्पित की।

बहु प्रतीक्षित कमलापुर चौकी नवीन थाने के रूप में परिवर्तित हो गई

विगत 20 वर्षों से कमलापुर चौकी को कमलापुर थाना बनाए जाने की मांग जन प्रतिनिधियों के माध्यम से उठती रही। 3 वर्ष पूर्व कमलापुर चौकी को थाना बनाने की पूरी तैयारी कर ली गई थी लेकिन किसी कारणवश मामला अटक गया। अब जाकर कमलापुर चौकी को थाने का पूर्ण दर्जा मिल गया है।

संजय प्रेम जोशी

22 अप्रैल 2025 को विधिवत रूप में पुलिस प्रशासन से जुड़े एडिशनल एसपी सोम्य जैन एस डी ओ पी सृष्टि भार्गव एवं नवीन थाने की पहली थाना प्रभारी के रूप में बागली से स्थानांतरित होकर गई डॉक्टर मनीषा दांगी की उपस्थिति में बागली विधायक मुरली भंवरा के द्वारा पूजन करते हुए कमलापुर थाने पर पूजा अर्चना कर नवीन थाना परिसर में कामकाजी शुरुआत शुरू की गौर तलब है कि कमलापुर थाने में बागली थाने से कट कर उन 49 गांव शामिल होंगे वही हॉट पिपलिया थाने के पांच गांव भी इस थाने में शामिल होंगे सुरक्षा की दृष्टि से कुल चोपन गांव का संचालन कमलापुर थाने से होगा कमलापुर में थाना बनाने की मांग विगत 20 वर्ष से की जा रही थी। एक बार किसानों द्वारा बड़ी संख्या में एकत्रित होकर विद्युत ग्रिड पर विद्युत कटौती समस्या को लेकर आग जनी करती थी। उसके बाद आधा दर्जन से अधिक बड़े मामले इस क्षेत्र में घटित हो गए थे। जब जब बड़ी घटना घटती तब तब कमलापुर चौकी को थाना बनाने की मांग तेज हो जाती थी। आखिर 22 अप्रैल को विधिवत रूप से यहां पर थाना आरंभ हो चुका है अब जाकर क्षेत्र के कई लोगों को विशेष कर पीड़ित लोगों को बागली आकर थाना कार्रवाई नहीं करना होगी यह कार्यवाही कमलापुर में ही संपन्न हो जाएगी। इस अवसर पर बागली विधायक मुरली भंवरा ने कहा कि कमलापुर चौकी को स्वतंत्र थाने के रूप में उपलब्धि मिल चुकी है। शीघ्र ही यहां पर नवीन थाना भवन का भी निर्माण हो जाएगा। कमलापुर थाने पर पहले थाना प्रभारी के रूप में कमान संभालने वाली थाना प्रभारी डॉक्टर मनीष दागीं ने बताया कि क्षेत्र के लोगों को अब अपनी समस्या निदान के लिए बागली नहीं जाना होगा विशेष कर महिला संबंधी अपराध मामलों में महिलाओं को यहीं से कानूनी कार्यवाही में मदद मिल जाएगी। हाला की खबर लिखे जाने तक कोई गंभीर मामले में प्राथमिक की दर्ज नहीं की गई है।

हिंदू तीर्थयात्रियों पर आतंकी हमले के विरोध में राष्ट्रपति को सौंपा गया ज्ञापन

इंदौर में पाकिस्तान का पुतला दहन

जम्मू-कश्मीर में राष्ट्रपति शासन की मांग तेज

राजेश धाकड़

इंदौर। जम्मू-कश्मीर के पहलगाम क्षेत्र में हिंदू तीर्थयात्रियों पर हाल ही में हुए आतंकी हमले के विरोध में देशभर में विरोध-प्रदर्शन तेज हो गए हैं। इसी क्रम में मंगलवार को इंदौर के बंगाली चौराहा पर समस्त हिंदू समाज द्वारा पाकिस्तान का पुतला जलाया गया। प्रदर्शनकारियों ने आतंकी हमले के खिलाफ नारेबाजी करते हुए केंद्र सरकार से कड़ी कार्रवाई की मांग की। प्रदर्शन के बाद समस्त हिंदू समाज की ओर से भारत के राष्ट्रपति को एक ज्ञापन सौंपा गया, जिसमें जम्मू-कश्मीर में तत्काल राष्ट्रपति शासन लागू करने की मांग की गई है। ज्ञापन में कहा गया है कि यह हमला न केवल मानवता पर हमला है, बल्कि देश के करोड़ों हिंदुओं की सुरक्षा पर भी सीधा प्रहार है।

ज्ञापन में यह आरोप लगाया गया कि

»» हमला इस्लामिक आतंकियों द्वारा सुनियोजित तरीके से किया गया है, जो क्षेत्र में आतंक का वातावरण बना रहे हैं।

»» जम्मू-कश्मीर सरकार की नरम नीति के कारण आतंकियों का मनोबल बढ़ा है।

»» हमलावर हिंदुओं की पहचान कर लक्षित हत्या कर रहे हैं।

»» यह हमला अमेरिका के उपराष्ट्रपति की भारत यात्रा के दौरान भारत की छवि को खराब करने की साजिश का हिस्सा हो सकता है।

ज्ञापन में की गई प्रमुख मांगें

»» 1. जम्मू-कश्मीर में तत्काल राष्ट्रपति शासन लागू किया जाए।,पीड़ितों के परिजनों को समुचित मुआवजा और सुरक्षा प्रदान की जाए।,दोषियों को शीघ्र गिरफ्तार कर उन्हें कड़ी सजा दी जाए।,आगामी अमरनाथ यात्रा को देखते हुए तीर्थयात्रियों की सुरक्षा हेतु विशेष बलों की स्थायी तैनाती की जाए।, प्रधानमंत्री और गृहमंत्री इस्लामिक आतंकवाद और देशभर में हिंदुओं पर हो रहे हमलों के खिलाफ कठोर कार्रवाई करें। समस्त हिंदू समाज ने विश्वास व्यक्त किया है कि राष्ट्रपति इस संवेदनशील और गंभीर मुद्दे पर शीघ्र एवं प्रभावी कदम उठाएंगे और राष्ट्र की अखंडता एवं नागरिकों की सुरक्षा सुनिश्चित करेंगे।

रणजीत टाइम्स
इंदौर, गुरुवार 24 अप्रैल 2025
03
DIGITAL EDITION

स्कूल बस ड्रायवर ने टीचर से किया दुष्कर्म

इंदौर। निजी स्कूल बस ड्राइवर रोहित द्वारा उसी स्कूल की शिक्षिका से बच्चों और क्लीनर के सामने बस में रेप करने का सनसनीखेज मामला सामने आया है। आरोपी फोटो और वीडियो दिखाकर शिक्षिका को बदनाम करने की धमकी दे रहा था, जिसके चलते पीड़िता ने खुद को आग लगा ली। उसे निजी अस्पताल में भर्ती कराया गया है। ड्राइवर की हरकत का पता चलने पर पीड़िता के परिजनों ने तिलकनगर पुलिस को बताया और आरोपी के खिलाफ केस दर्ज कराया है। पीड़िता के मुताबिक 13 मार्च को स्कूल की छुट्?टी होने के बाद वह उसी बस से घर जा रही थी। रोहित ने बस में एक अन्य ड्राइवर शुभम को चढ़ा रखा था। रोहित ने उसे बस का स्टेयरिंग थमाया और खुद शिक्षिका के पास जाकर बैठ गया। उसने शिक्षिका को फोटो-वीडियो वायरल करने की धमकी दी और बस में सीटों के बीच ले जाकर रेप किया। उस समय बस में बच्चे और क्लीनर भी था। इसके बाद रोहित ने फिर कॉल किया और फोटो-वीडियो होने वाले पति को भेजने की धमकी दी। घबराई हुई शिक्षिका ने खुद के कपड़ों में आग लगा ली। जिससे वह जल गई और उसे निजी अस्पताल में भर्ती कराया गया। अस्पताल में पीड़िता ने परिजनों की पूरी घटना बताई। फिर परिजनों ने केस दर्ज कराया।

2023 से थी ड्राइवर से दोस्ती

शिक्षिका रोज उसी बस से स्कूल आती-जाती थी। इस दौरान उसकी रोहित से अच्छी पहचान हो गई। कुछ समय बाद दोनों की फोन और सोशल मीडिया पर बात होने लगी। बात सितंबर 2023 की है। रोहित पीड़िता को खजराना मंदिर लेकर गया। यहां दर्शन के बाद रोहित ने पीड़िता को पानी की बॉटल दी। पानी पीने के बाद उसे घबराहट होने लगी और बेहोशी जैसा लगने लगा, तो रोहित उसे दोस्त के रूम पर ले गया। जब होश आया तो पता चला कि रोहित ने उसके साथ जबरदस्ती की है। रोहित कार से लेकर वापस मंदिर पहुंचा, जहां से बाइक उठाकर उसने पीड़िता को घर छोड़ दिया। बाद में मोबाइल पर बात हुई तो रोहित ने भरोसा दिलाया कि उसके साथ कुछ गलत नहीं हुआ है पर बाद में पता चला कि उसने कुछ फोटो लिए हैं। जनवरी 2025 में शिक्षिका की सगाई हो गई और उसने रोहित से बात बंद कर दी।

पूर्व लोकसभा अध्यक्ष सुमित्रा महाजन के बेटे की कंपनी के नाम पर बड़ा फर्जीवाड़ा, आरोपी ने मिलिंद महाजन बनकर की लाखों की ठगी की कोशिश

इंदौर। शहर में पूर्व लोकसभा अध्यक्ष सुमित्रा महाजन के बेटे मिलिंद महाजन की ऑटो मोबाइल कंपनी के नाम पर जालसाजी का चौंकाने वाला मामला सामने आया है। इस पूरे मामले में एक अज्ञात व्यक्ति ने खुद को मिलिंद महाजन बताकर फर्जी दस्तावेज तैयार किए, फर्जी ईमेल आईडी बनाई और एक बैंक में मेल भेजकर कंपनी के खाते से 18 लाख रुपए से ज्यादा की राशि दो अलग-अलग खातों में ट्रांसफर करने का निर्देश दिया। मामला सामने आने के बाद क्राइम ब्रांच ने केस दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

इस धोखाधड़ी का खुलासा उस वक्त हुआ जब मिडवेस्ट ऑटो मोबाइल कंपनी के एचआर मैनेजर अभिषेक शर्मा ने क्राइम ब्रांच को इसकी जानकारी दी। उन्होंने बताया कि कंपनी का खाता एसबीआई की साजन नगर ब्रांच में है। सोमवार को बैंक मैनेजर को दो बार एक फोन कॉल आया, जिसमें कॉल करने वाला खुद को मिलिंद महाजन बताकर पैसे ट्रांसफर करने के निर्देश दे रहा था। यही नहीं, उस व्यक्ति ने एक फर्जी ईमेल आईडी बनाकर मिलिंद के नाम से एक लेटर भी भेजा, जिसमें दो खातों में रकम भेजने का आग्रह किया गया

था। बैंक मैनेजर को तब शक हुआ जब मेल में दिए गए मोबाइल नंबर और अन्य विवरण मिलिंद महाजन से मेल नहीं खा रहे थे। संदेह होने पर उन्होंने सीधे कंपनी में संपर्क कर मामले की जानकारी दी। कंपनी द्वारा जांच करने पर यह सामने आया कि मेल आईडी फर्जी थी और इस तरह की कोई अधिकृत जानकारी कंपनी की ओर से नहीं भेजी गई थी।

पहले भी वॉटर कंपनी के नाम से मांगे गए थे दस्तावेज: जांच में सामने आया कि कुछ दिन पहले एक वॉटर कंपनी के नाम से कॉल कर दो लोडिंग गाड़ियां खरीदने के लिए कोटेशन और अन्य दस्तावेज मांगे गए थे। कंपनी ने जब दस्तावेज भेजे, तो बाद में पता चला कि वॉटर कंपनी के नाम पर संपर्क करने वाला व्यक्ति भी फर्जी था। वही नंबर अब बैंक में कॉल करने के लिए भी इस्तेमाल हो रहा है।

फर्जी दस्तावेजों पर मिलिंद महाजन के हस्ताक्षर की नकल: आरोपी ने न सिर्फ ईमेल फर्जी बनाई, बल्कि मिलिंद महाजन के नाम से भेजे गए लेटर में उनके हस्ताक्षर की भी नकल की थी, जिससे यह धोखाधड़ी और अधिक वास्तविक लगे। हालांकि बैंक की सतर्कता और कंपनी की तत्परता से यह ठगी समय रहते पकड़ में आ गई और बड़ी रकम की ट्रांजेक्शन होने से बच गई।

क्राइम ब्रांच ने दर्ज किया केस, जांच शुरू: मामले की गंभीरता को देखते हुए क्राइम ब्रांच ने तुरंत एफआईआर दर्ज कर ली है और उस मोबाइल नंबर के आधार पर आरोपी की तलाश शुरू कर दी गई है। टेक्निकल सर्विलांस और बैंक रिकॉर्ड्स के आधार पर यह पता लगाने की कोशिश की जा रही है कि फर्जी ईमेल आईडी और कॉल कहां से किए गए थे और इनके पीछे कौन है।

इंदौर को जल्द मिलेंगे दो नए ऑटोमेटेड फिटनेस सेंटर, खत्म होगी मनमानी और अवैध वसूली

इंदौर । शहरवासियों के लिए राहत की खबर है। इंदौर में मई माह में दो नए ऑटोमेटेड फिटनेस या टेस्टिंग सेंटर शुरू होने जा रहे हैं–एक खंडवा रोड और दूसरा नेमावर रोड पर। इन सेंटर्स के शुरू होने से न सिर्फ वाहनों की फिटनेस जांच की सुविधा बढ़ेगी, बल्कि फिलहाल शहर में चल रहे एकमात्र सेंटर की दादागीरी और अवैध वसूली पर भी अंकुश लगेगा। गौरतलब है कि केंद्र सरकार के निर्देशानुसार अब वाहन फिटनेस जांच केवल ऑटोमेटेड फिटनेस सेंटर्स से ही की जा सकती है। इसके तहत पिछले साल जुलाई से इंदौर, भोपाल और ग्वालियर में निजी सेंटर्स कार्यरत हैं। इंदौर में भी कई कंपनियों ने आवेदन किया था, जिनमें से चार को अनुमति दी गई थी।

पहले चरण में सड़क चौड़ीकरण 60 फीट तक सीमित, 8 दिन में खाली करना होगा कब्जा

इंदौर। छावनी क्षेत्र में प्रस्तावित 80 फीट चौड़ी सड़क के निर्माण को लेकर नगर निगम ने अब एक नया रुख अपनाया है। फिलहाल पहले चरण में इस सड़क को 60 फीट की चौड़ाई के अनुसार बनाने की तैयारी की जा रही है। इस बदलाव के पीछे उद्देश्य यह है कि निर्माण कार्य जल्द शुरू हो सके और सिंहस्थ जैसे बड़े आयोजन के पहले बुनियादी ढांचे को मजबूत किया जा सके। निगम ने क्षेत्रवासियों और व्यापारियों से साफ कह दिया है कि वे अपनी अतिक्रमण या निजी बाधाएं खुद हटाएं, जिसके लिए उन्हें आठ दिनों की मोहलत दी गई है। नगर निगम की ओर से इस सड़क के लिए बीते दिनों 80 फीट के मान से निशान लगाए गए थे। लेकिन अब अधिकारियों और जनप्रतिनिधियों की क्षेत्रीय बैठक के बाद यह तय हुआ है कि फिलहाल सड़क को 60 फीट चौड़ाई तक सीमित रखा जाएगा। कल प्रभारी महापौर राजेंद्र राठौर, क्षेत्रीय विधायक गोलू शुक्ला और एमआईसी सदस्य मनीष शर्मा खुद क्षेत्र में पहुंचे और व्यापारियों से संवाद किया। उन्होंने स्पष्ट किया कि निगम की प्राथमिकता सिंहस्थ आयोजन को देखते हुए जरूरी विकास कार्यों को जल्द से जल्द पूर्ण करना है। ऐसे में पहले चरण में 60 फीट चौड़ी सड़क बनाकर आगे फिर विस्तारित किया जाएगा। इसी तरह का निर्णय सुभाष मार्ग की 100 फीट चौड़ी प्रस्तावित सड़क को लेकर भी किया गया है, जिसे फिलहाल 80 फीट चौड़ा बनाया जा रहा है। नगर निगम के इस फैसले से जहां एक ओर काम में तेजी आने की उम्मीद है, वहीं दूसरी ओर अधिकारियों की चुप्पी भी कई सवाल खड़े कर रही है। न तो इस नई योजना के अनुसार नए निशान लगाए गए हैं और न ही निगम की ओर से

कोई तोड़फोड़ की कार्यवाही प्रारंभ की गई है। जब इस विषय में अधिकारियों से बात करने का प्रयास किया गया तो उन्होंने कोई स्पष्ट बयान नहीं दिया। उनकी यह चुप्पी बताती है कि सड़क चौड़ाई को लेकर प्रशासनिक स्तर पर अभी भी पूरी पारदर्शिता नहीं है। स्थानीय लोगों का कहना है कि सड़क निर्माण के नाम पर बार-बार बदले जा रहे निर्णयों से वे भ्रम की स्थिति में हैं। उन्हें समझ नहीं आ रहा कि आखिर उन्हें कितना पीछे हटना है, और क्या निगम अपने तय मापदंडों पर टिकेगा भी या नहीं। हालांकि, अधिकांश व्यापारियों ने इस शर्त पर सहयोग की बात कही है कि यदि निगम तय समय सीमा में ईमानदारी से कार्य पूर्ण करता है तो वे खुद आगे आकर अपनी बाधाएं हटा लेंगे। इस पूरे घटनाक्रम से इतना तो स्पष्ट है कि छावनी और सुभाष मार्ग जैसे व्यस्त क्षेत्रों में सड़क चौड़ीकरण को लेकर नगर निगम दबाव में है और सीमित समय में अधिकतम कार्य पूर्ण करना चाहता है। लेकिन यह तभी संभव होगा जब प्रशासन और जनता के बीच संवाद पारदर्शी और स्पष्ट हो, वरना अधूरी योजनाएं और अधूरे वादे शहर की यातायात व्यवस्था को और अधिक उलझा सकते हैं।

पहलगाम आतंकी हमले के खिलाफ राजेंद्र नगर में बंद का आह्वान, जनआक्रोश के साथ वकीलों ने भी जताया विरोध

इंदौर। जम्मू-कश्मीर के पहलगाम में हुए आतंकी हमले में एलआईसी अधिकारी सुशील नथानियल की दर्दनाक हत्या और उनकी बेटी के घायल होने की खबर से समूचा इंदौर शोक और आक्रोश में डूबा हुआ है। इस घटना ने न सिर्फ मृतक परिवार के आसपास के माहौल को ग़मगीन कर दिया है, बल्कि पूरे शहर में आक्रोश की लहर दौड़ा दी है। इसी कड़ी में भारतीय विकास परिषद् और अखिल भारतीय सफाई मजदूर संघ के आनंद चावरे ने इस जघन्य आतंकी हमले के खिलाफ कड़ा विरोध दर्ज कराते हुए इंदौर के राजेंद्र नगर क्षेत्र को आज सुबह बंद रखने का आह्वान किया है। आनंद चावरे ने क्षेत्र के व्यापारियों और व्यवसायियों से अपील की कि वे इस हमले के प्रति अपना विरोध प्रकट करने के लिए दोपहर 12 बजे तक अपने प्रतिष्ठान बंद रखें और शांतिपूर्ण तरीके से शहीद हुए एलआईसी अधिकारी को श्रद्धांजलि अर्पित करें। सुबह से ही राजेंद्र नगर में दुकानों के शटर आधे झुके नजर आए और व्यापारियों ने स्वेच्छा से इस बंद को समर्थन दिया। लोग बाजारों में शांति और गंभीरता के साथ विरोध व्यक्त करते दिखे। इस आत्मानुशासित बंद से यह संदेश गया कि शहर के नागरिक अपने ही बीच के एक कर्मठ और सेवा भावी अधिकारी की मृत्यु को केवल एक खबर नहीं मानते, बल्कि उसे व्यक्तिगत क्षति के रूप में अनुभव कर रहे हैं। इस बीच, जिला न्यायालय के अधिवक्ताओं ने भी आतंकी हमले के विरोध में अपनी भागीदारी जताई। सुबह साढ़े दस बजे से सभी वकीलों ने काली पट्टी बांधकर कार्य किया, जो उनके शांतिपूर्ण लेकिन मजबूत विरोध का प्रतीक रहा। वकीलों की यह पहल सिर्फ एक संवेदना नहीं, बल्कि आतंकवाद के खिलाफ कानूनी बिरादरी की एकजुटता का संकेत भी थी। कोर्ट परिसर में वकीलों के बीच चर्चा का माहौल गंभीर रहा और सभी ने शोकाकुल परिवार के साथ सहानुभूति जताते हुए इस हमले की निंदा की। यह बंद और विरोध प्रदर्शन कोई राजनीतिक कार्यक्रम नहीं बल्कि एक मानवीय और सामाजिक उत्तरदायित्व का परिचायक रहा, जिसमें आम नागरिक, व्यवसायी, अधिवक्ता वर्ग सभी एकजुट होकर आतंक के खिलाफ एक मजबूत आवाज बने।

ग्रीन फ्यूल क्रांति की तैयारी- नगर निगम बनाएगा 7 करोड़ की लागत से ग्रीन फ्यूल प्लांट, वेस्ट से बनेगा कोयले का विकल्प, प्रदूषण में आएगी कमी

इंदौर। स्वच्छता की मिसाल बन चुका इंदौर अब पर्यावरण संरक्षण की दिशा में भी बड़ी छलांग लगाने जा रहा है। नगर निगम द्वारा शहर के ग्रीन वेस्ट को उपयोगी ऊर्जा स्रोत में तब्दील करने की एक नई योजना को साकार रूप दिया जा रहा है। इस योजना के तहत पीपीपी यानी पब्लिक प्राइवेट पार्टनरशिप मॉडल पर एक अत्याधुनिक ग्रीन फ्यूल प्लांट तैयार किया जाएगा, जिसकी अनुमानित लागत करीब 7 करोड़ रुपये है। इस प्लांट की मदद से ग्रीन वेस्ट को प्रोसेस कर वुडन पैलेट यानी ग्रीन फ्यूल पैलेट बनाए जाएंगे, जो कोयले का वैकल्पिक और पर्यावरण हितैषी ईंधन साबित होंगे। इस योजना का सबसे बड़ा लाभ यह होगा कि यह वेस्ट मैनेजमेंट को एक नई दिशा देगा और साथ ही वायु प्रदूषण में भी महत्वपूर्ण कमी लाएगा। इन वुडन पैलेट्स को इंडस्ट्रियल

यूनिट्स में पारंपरिक कोयले की जगह फ्यूल के रूप में इस्तेमाल किया जाएगा, जिससे न केवल पर्यावरण की सुरक्षा सुनिश्चित होगी, बल्कि कोयले पर निर्भरता भी घटेगी। नगर निगम आयुक्त शिवम वर्मा ने बुधवार को सिटी फॉरेस्ट परिसर स्थित संभावित साइट का दौरा कर प्रोजेक्ट की रूपरेखा का निरीक्षण किया। इस दौरान उन्होंने प्लांट की कार्यप्रणाली, आवश्यक संसाधनों, संरचना और परियोजना की व्यवहारिकता पर अधिकारियों से गहन चर्चा की। साथ ही, उन्होंने स्पष्ट निर्देश दिए कि परियोजना के हर चरण में पर्यावरणीय और तकनीकी मानकों का पूरी तरह से पालन हो। इस परियोजना से नगर निगम को भी वित्तीय लाभ मिलने की उम्मीद है। निगम को प्लांट से तैयार होने वाले फ्यूल पर 3 रुपये प्रति किलोग्राम की दर से रॉयल्टी प्राप्त होगी, जो निगम की आय में उल्लेखनीय योगदान देगी और आगे चलकर इस मॉडल को अन्य शहरों के लिए उदाहरण बनाया जा सकेगा। यह पहल इंदौर को स्मार्ट सिटी से आगे बढ़ाकर 'ग्रीन सिटी' की ओर ले जाने का प्रयास है। जिस प्रकार इंदौर ने सफाई और कचरा प्रबंधन के क्षेत्र में देश भर में अपनी पहचान बनाई है, उसी प्रकार अब यह ग्रीन एनर्जी और प्रदूषण नियंत्रण के क्षेत्र में भी आदर्श बनता नजर आ रहा है। ग्रीन वेस्ट का पुनः उपयोग, ईंधन के रूप में उसका दोहन और प्लास्टिक या कोयले के विकल्पों की खोज वर्तमान पर्यावरण संकट के समाधान की दिशा में एक सशक्त पहल मानी जा रही है।इस परियोजना के पूरी तरह से चालू होने के बाद इंदौर में औद्योगिक इकाइयों में भी अधिकतम ग्रीन फ्यूल के उपयोग को प्रोत्साहित किया जाएगा। इससे जहां एक ओर प्राकृतिक संसाधनों का संरक्षण होगा, वहीं दूसरी ओर इंदौर को देश के पहले 'ग्रीन फ्यूल सिटी' के रूप में पहचान दिलाने का मार्ग भी प्रशस्त होगा।

पहलगाम में आतंकियों की दरिंदगी का शिकार हुआ इंदौर का सपूत

मुख्यमंत्री मोहन यादव ने जताया शोक, बोले- पाकिस्तान की कायरता को देश नहीं भूलेगा

इंदौर। जम्मू-कश्मीर के खूबसूरत मगर संवेदनशील क्षेत्र पहलगाम में आतंकवाद की एक और नृशंस घटना ने पूरे देश को झकझोर दिया है। मंगलवार को बैसरन घाटी में पर्यटकों पर हुए आतंकवादी हमले में 26 निर्दोष लोगों की जान चली गई, जिनमें इंदौर निवासी सुशील नथानियल भी शामिल हैं। आतंकियों ने बिना किसी चेतावनी के गोलियों की बौछार कर दी, जिसमें सुशील नथानियल समेत कई पर्यटक जान गंवा बैठे। यह हमला उस वक्त हुआ जब सैकड़ों पर्यटक प्राकृतिक सौंदर्य का आनंद लेने के लिए घाटी में घूम रहे थे। इस दर्दनाक घटना के बाद पूरे देश में आक्रोश की लहर है। मध्यप्रदेश के मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने

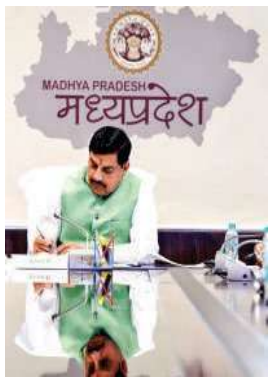

शहीद सुशील नथानियल को श्रद्धांजलि अर्पित की और गहरा शोक जताया। उन्होंने कहा कि इस प्रकार की घटनाएं न केवल अमानवीय हैं, बल्कि यह आतंकवाद की नीचता और पाकिस्तान की कायरता को उजागर करती हैं। मुख्यमंत्री ने कहा, ÷मैं बाबा महाकाल से प्रार्थना करता हूं कि वे दिवंगत आत्मा को अपने चरणों में स्थान दें। यह पाकिस्तान और उसके पिछलग्गुओं की कायराना हरकत है, जिसका जवाब देने के लिए देश पूरी तरह एकजुट है। हमारी सरकार पूरी योजना और दृढ़ संकल्प के साथ आगे बढ़ रही है ताकि भविष्य में इस प्रकार की किसी भी कायराना हरकत को रोका जा सके।÷ इस आतंकी हमले में जान गंवाने वालों में दो विदेशी नागरिक और दो स्थानीय लोग भी शामिल हैं। महाराष्ट्र से आए छह पर्यटक भी इस हमले में मारे गए हैं, जबकि 17 लोग गंभीर रूप से घायल हुए हैं, जिनका इलाज श्रीनगर के विभिन्न अस्पतालों में चल रहा है। सुरक्षा बलों ने घटना के तुरंत बाद इलाके को घेरकर सर्च ऑपरेशन शुरू कर दिया है और आतंकियों की तलाश की जा रही है। इस घटना ने एक बार फिर यह साबित कर दिया है कि आतंकवाद न केवल सीमाओं की सुरक्षा के लिए खतरा है, बल्कि वह भारत जैसे शांतिप्रिय देश की एकता और अखंडता को भी चुनौती दे रहा है। ऐसे समय में देश को एकजुट रहकर आतंक के खिलाफ निर्णायक संघर्ष करना होगा। मुख्यमंत्री यादव की यह अपील कि हम सब बाबा महाकाल से प्रार्थना करें कि ऐसी घटनाएं दोबारा न हों, यह संकेत है कि हमारी लड़ाई सिर्फ हथियारों से नहीं, बल्कि सामूहिक इच्छाशक्ति और ईश्वर में आस्था से भी लड़ी जाएगी।

हाईकोर्ट ने स्पष्ट किया अधिकार क्षेत्रः वाहन जब्ती पर निर्णय ट्रायल कोर्ट को

जबलपुर। मध्य प्रदेश में प्रशासनिक अधिकारों की परिधि और संवैधानिक व्यवस्थाओं पर एक नया प्रकाश डाला है। मध्य प्रदेश हाईकोर्ट की जबलपुर खंडपीठ ने एक ऐतिहासिक निर्णय में यह स्पष्ट किया है कि कलेक्टर को अब किसी भी अपराध में संलिप्त वाहन को राजसात करने यानी जब्त करने का अधिकार नहीं है। यह फैसला विशेष रूप से मध्य प्रदेश आबकारी अधिनियम की धारा 47ए के सन्दर्भ में सुनाया गया है, जिसे अदालत ने असंवैधानिक घोषित किया है। हाईकोर्ट ने अपने निर्णय में यह कहा है कि अब इस तरह के मामलों में केवल ट्रायल कोर्ट ही यह तय करेगा कि कोई वाहन राजसात किया जाए या नहीं। इस निर्णय का प्रत्यक्ष प्रभाव उन मामलों पर पड़ेगा, जिनमें शराब या मादक पदार्थों की अवैध तस्करी में प्रयुक्त वाहनों को जब्त कर लिया जाता था और बाद में कलेक्टर द्वारा उन्हें राजसात कर लिया जाता था। अब इस प्रक्रिया का अधिकार केवल न्यायिक व्यवस्था यानी ट्रायल कोर्ट को सौंप दिया गया है। कोर्ट ने अपने निर्णय में %गोवंश वध प्रतिषेध अधिनियम 2004% के अंतर्गत वाहनों की जब्ती और राजसात करने संबंधी प्रावधानों को भी चुनौती योग्य ठहराया है। यानी अब यह सवाल भी न्यायिक समीक्षा के लिए खुला है कि क्या उक्त अधिनियम के अंतर्गत दिए गए अधिकार भी संवैधानिक रूप से वैध हैं या नहीं। यह मामला सागर और नरसिंहपुर जिले के दो निवासियों राजेश विश्वकर्मा और रामपाल द्वारा दायर याचिका से जुड़ा हुआ है। इन दोनों ने अदालत में यह याचना की थी कि उनके वाहनों को अवैध रूप से जब्त कर लिया गया और राजसात की प्रक्रिया शुरू कर दी गई, जबकि मामले में निर्णय अभी लंबित था। याचिकाकर्ताओं के अधिवक्ता विवेक रंजन ने इस निर्णय को न्याय की दृष्टि से अत्यंत महत्वपूर्ण बताया। उनका कहना है कि यह फैसला न केवल प्रशासनिक अधिकारों पर नियंत्रण स्थापित करेगा, बल्कि न्यायालयों की भूमिका को और अधिक सशक्त बनाएगा। मुख्य न्यायाधीश सुरेश कुमार कैत और जस्टिस विवेक जैन की खंडपीठ ने इस पूरे मामले की गहराई से सुनवाई करते हुए यह निर्णय सुनाया, जो अब पूरे राज्य में एक नजीर बनेगा। इस फैसले से यह भी स्पष्ट होता है कि राज्य प्रशासन द्वारा नागरिकों की संपत्ति पर किसी भी प्रकार की स्थायी कार्रवाई करने से पहले न्यायिक प्रक्रिया का पालन आवश्यक होगा। इस निर्णय का प्रभाव सीधे-सीधे राज्य के हजारों मामलों पर पड़ सकता है, जहां अभी भी दर्जनों वाहन ऐसे अपराधों के आरोप में जब्त हैं और प्रशासनिक रूप से राजसात किए जाने की प्रक्रिया में हैं। यह फैसला न्याय और प्रशासन के बीच संतुलन स्थापित करने की दिशा में एक बड़ा कदम माना जा रहा है।

राष्ट्रीय सुरक्षा पर फिर बड़ा सवाल- पहलगाम आतंकी हमले पर बोले MP कांग्रेस अध्यक्ष जीतू पटवारी, अजीत डोभाल और केंद्र सरकार पर साधा निशाना

भोपाल। मध्य प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष जीतू पटवारी ने केंद्र सरकार की नीतियों और राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार अजीत डोभाल की भूमिका पर गंभीर सवाल खड़े किए हैं। उन्होंने सोशल मीडिया पर पोस्ट करते हुए स्पष्ट रूप से कहा है कि देश जानना चाहता है कि हमारे राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार आखिर क्या कर रहे हैं। जीतू पटवारी ने फेसबुक और एक्स (पूर्व में ट्विटर) पर लगातार पोस्ट करते हुए कहा, ÷पठानकोट, ऊरी, पुलवामा, और अब पहलगाम! देश को अब यह समझ में आ गया है कि हमारी राष्ट्रीय सुरक्षा गहरे संकट में है, लेकिन देश यह भी जानना चाहता है कि हमारे राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार अजीत डोभाल किस भूमिका में हैं और क्या कर रहे हैं?÷ उनके इस बयान के बाद राजनीतिक हलकों में हलचल तेज हो गई है। कांग्रेस प्रदेश अध्यक्ष ने यह भी लिखा कि जम्मू-कश्मीर में 2019 के पुलवामा हमले के बाद यह सबसे बड़ा आतंकी हमला है और इससे हमारी आंतरिक सुरक्षा व्यवस्था पर गहरे प्रश्नचिह्न खड़े होते हैं। उन्होंने कहा कि इस बार आतंकियों ने जिस तरह से पर्यटकों से नाम पूछकर सिर में गोली मारने जैसी दरिंदगी दिखाई, वह न केवल सुरक्षा एजेंसियों की विफलता है, बल्कि यह देश की आंतरिक सुरक्षा के ढांचे की कमजोरी भी उजागर करता है। पटवारी ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और केंद्रीय गृहमंत्री अमित शाह को भी आड़े हाथों लिया। उन्होंने आरोप लगाया कि जब भी कोई बड़ा हादसा होता है, सरकार या तो चुप्पी साध लेती है या बहानेबाजी शुरू कर देती है। उन्होंने कहा कि अब केवल बयान देने से देश की सुरक्षा नहीं बच सकती, इसके लिए ठोस कार्रवाई और जवाबदेही जरूरी है। उन्होंने मांग की कि केंद्रीय गृहमंत्री अमित शाह को इस हमले की नैतिक जिम्मेदारी लेते हुए

इस्तीफा देना चाहिए और शोकाकुल परिवारों को न्याय और सुरक्षा दिलाने का ठोस रोडमैप केंद्र सरकार को तुरंत प्रस्तुत करना चाहिए। गौरतलब है कि मंगलवार को जम्मू-कश्मीर के पहलगाम क्षेत्र से छह किलोमीटर दूर स्थित बैसरन घाटी में आतंकियों ने घात लगाकर पर्यटकों पर अंधाधुंध गोलियां बरसाईं थीं। इस हमले में अब तक 26 लोगों की मौत हो चुकी है, जिसमें दो विदेशी नागरिक और कई राज्यों के पर्यटक शामिल हैं। दर्जनों लोग घायल हुए हैं। इस हमले में मध्य प्रदेश के अलीराजपुर जिले के मूल निवासी और इंदौर में रहने वाले एलआईसी ब्रांच मैनेजर सुशील कुमार नथानियल भी मारे गए। वहीं उनकी बेटी आकांक्षा गंभीर रूप से घायल है। इस घटनाक्रम ने न केवल देश को झकझोर दिया है बल्कि सुरक्षा नीतियों, खुफिया एजेंसियों की तत्परता और सरकार की प्राथमिकताओं को लेकर भी एक बार फिर बहस छेड़ दी है। जीतू पटवारी के तीखे सवालों और सीधे प्रधानमंत्री कार्यालय से जवाब मांगने की मांग ने केंद्र सरकार पर दबाव और बढ़ा दिया है।

अस्पताल से घर तक पार्थिव देह ले जाने के लिए मिलेगा शव वाहन

भोपाल। मध्य प्रदेश की डॉ मोहन यादव की सरकार ने बड़ा फैसला लिया है। प्रदेश में अस्पतालों से घर तक पार्थिव देह ले जाने के लिए शव वाहन उपलब्ध कराया जाएगा। अस्पताल से पोस्टमार्टम, मृत्यु के मामलों में पार्थिव देह घर तक ले जाने के व्यवस्था होगी। यह व्यवस्था जिलों से शुरू होगी। इसके बाद विकास खण्ड और तहसील स्तर तक विस्तार होगा। मंगलवार को सीएम डॉ मोहन यादव ने मंत्रालय में स्वास्थ्य विभाग की बैठक कर स्वास्थ्य योजनाओं की समीक्षा की। इस दौरान उन्होंने कहा कि प्रदेश में स्वास्थ्य शिविरों के माध्यम से नागरिकों की स्वास्थ्य समस्याओं का निराकरण किया जाए। कैंसर जैसे रोगों से ग्रस्त नागरिकों को आवश्यक उपचार सुविधाएं प्राथमिकता से दिलवाई जाएं। प्रदेश में अंगदान को प्रोत्साहित किया जाए। पीपीपी मॉडल पर मेडिकल कॉलेज प्रारंभ किए जा रहे हैं जो प्रदेश के नागरिकों को बेहतर उपचार सुविधाएं उपलब्ध करवाएंगे।सीएम ने बताया कि सरकार ने अस्पताल से पोस्टमार्टम और मत्यु के अन्य मामलों में पार्थिव देह घर तक ले जाने के लिए शव वाहन उपलब्ध करवाने का फैसला लिया है। यह व्यवस्था जिलों से प्रारंभ होगी जिसका बाद में विकास खण्ड और तहसील स्तर तक विस्तार होगा। प्रदेश में एयर एम्बुलेंस सेवा को अधिक प्रभावी बनाते हुए गंभीर रोगियों के साथ ही दुर्घटनाओं में गंभीर रूप से घायल नागरिकों को भी सेवाओं का लाभ दिलाना सुनिश्चित किया जाएगा।

मंडीदीप में गेल प्लांट से गैस लीक- 10 घंटे की मशक्कत के बाद कंट्रोल में आई स्थिति, जयपुर से सेफ्टी टीम जांच में जुटी

भोपाल। औद्योगिक क्षेत्र मंडीदीप में मंगलवार और बुधवार की दरम्यानी रात उस समय हड़कंप मच गया जब गेल इंडिया लिमिटेड के प्लांट से अचानक गैस लीक हो गई। यह घटना रात करीब 12 बजे हुई, और गैस रिसाव को काबू में लाने में करीब 10 घंटे का वक्त लग गया। बुधवार सुबह करीब 10 बजे स्थिति को नियंत्रण में लाया जा सका। गैस लीक की सूचना मिलते ही क्षेत्र में अफरा-तफरी का माहौल बन गया। फायर सेफ्टी टीम तुरंत मौके पर पहुंची। एहतियातन एनडीआरएफ और एसडीईआरएफ की टीमें भी बुला ली गईं। प्लांट के एक किलोमीटर के दायरे में बैरिकेड्स लगाकर लोगों की आवाजाही पूरी तरह रोक दी गई। मंडीदीप नगर पालिका की फायर टीम और स्थानीय पुलिस, होमगार्ड्स को मौके पर तैनात कर दिया गया। आसपास के क्षेत्र को पूरी तरह खाली कराया गया।

सेफ्टी ऑडिट के लिए जयपुर से पहुंची विशेषज्ञ टीमः गेल की ओर से जयपुर से विशेष सेफ्टी टीम को बुलाया गया, जो प्लांट का विस्तृत सेफ्टी ऑडिट कर रही है। यह टीम रिसाव के कारणों की जांच कर रही है और भविष्य में इस प्रकार की घटनाओं से बचाव के उपायों पर भी काम कर रही है।

प्रोजेक्ट मैनेजर बोले ङ्क स्थिति पूरी तरह नियंत्रण मेंः गेल के प्रोजेक्ट मैनेजर

डी. डोंगरे ने कहा कि स्थिति अब पूरी तरह से नियंत्रण में है और किसी तरह के जान-माल के नुकसान की आशंका नहीं है। उन्होंने यह भी स्पष्ट किया कि स्कूलों की छुट्टी या निवासियों को हटाने की कोई आवश्यकता नहीं पड़ी।

प्रशासनिक अधिकारी पहुंचे मौके परः घटना की गंभीरता को देखते हुए रायसेन कलेक्टर अरुण विश्वकर्मा, एसडीएम चंद्रशेखर श्रीवास्तव, एसडीपीओ शीला सुरणा और नायब तहसीलदार नीलेश सरवटे ने मौके पर पहुंचकर हालात का जायजा लिया। कलेक्टर ने बताया कि रिसाव की सूचना उन्हें सुबह पांच बजे मिली और इसके बाद सभी सुरक्षा कदम तत्काल उठाए गए। पूरे इलाके को सैनिटाइज कर दिया गया है और अब स्थिति पूरी तरह सामान्य है।

एसपी बोले - जांच जारी, लीक का कारण जल्द सामने आएगाः रायसेन एसपी पंकज पांडे ने बताया कि प्लांट की सुरक्षा जांच की जा रही है।

सोने की कीमतें रिकॉर्ड ऊंचाई पर पहुंचने से दुबई में ग्राहक गायब

भारतीय ग्राहक अब अच्छे डिजाइन वाले गहनों की ओर बढ़ रहे हैं

सोने की बढ़ती कीमतों से खरीदारी में बहुत ज्यादा कमी आ रही है

नई दिल्ली, एजेंसी। दुबई सोने के शौकीनों के लिए बड़ा सेंटर रहा है। लेकिन, सोने की कीमतें बढ़ने से वहां व्यापारी परेशान हैं। कीमतें इस साल की शुरुआत से लगभग एक तिहाई बढ़ गई हैं। भारत सरकार ने भी सोने पर आयात शुल्क 15 प्रतिशत से घटाकर 6 प्रतिशत कर दिया है। इससे दुबई के व्यापारियों को भारतीय ग्राहकों को वापस लाने में मुश्किल हो रही है। वे अब नए डिजाइन और अच्छी क्वालिटी पर फोकस कर रहे हैं। सोने की कीमतें 3,500 डॉलर प्रति औंस से ऊपर चली गई हैं। इससे लोग सोना खरीदने से पहले सोच रहे हैं। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के फेडरल रिजर्व के प्रमुख जेरोम पॉवेल की आलोचना के बाद निवेशकों की चिंता बढ़ने से सोने की कीमतों में उछाल आया है। दुबई पिछले 80 सालों से सोने के चाहने वालों के लिए खास जगह रही है। खासकर ईरानी और भारतीय ग्राहक यहां खूब आते थे। उन्होंने दुबई को सोने का एक बड़ा बाजार बनाने में मदद की। लेकिन, अब सोने के दाम बहुत बढ़ गए हैं। इससे दुबई के जूलर्स को परेशानी हो रही है।

सरकार के इस कदम का बड़ा असर

भारत सरकार ने सोने पर लगने वाला टैक्स भी कम कर दिया है। पहले 15 प्रतिशत टैक्स लगता था, अब सिर्फ 6 प्रतिशत लगता है। इससे दुबई में सोना खरीदना उतना सस्ता नहीं रहा, जितना पहले था। इसलिए दुबई के जूलर अब भारतीय ग्राहकों को वापस लाने के लिए नई योजनाएं बना रहे हैं। भारतीय त्योहारों के समय जैसे दिवाली और अक्षय तृतीया में खूब सोना खरीदते हैं।

दुबई के जूलर अब सिर्फ कम कीमत पर सोना बेचने की बजाय अच्छे डिजाइन वाले गहने बेच रहे हैं। वे तुर्की, इटली और सिंगापुर से गहने मंगवा रहे हैं। साथ ही, वे कलकत्ता और मंदिर के गहनों जैसे पुराने डिजाइन को भी फिर से बना रहे हैं। कुछ कंपनियां दूसरे देशों से नए डिजाइन ला रही हैं।

अच्छे डिजाइन और बढ़िया [ालिटी पर फोकस

अब दुकानदार अच्छे डिजाइन और बढ़िया क्वालिटी पर ध्यान दे रहे हैं। वे चाहते हैं कि भारतीय ग्राहक सिर्फ कीमत न देखें, बल्कि गहनों की खूबसूरती और अलग डिजाइन को भी पसंद करें। दुबई का गोल्ड सूक, जिसे सिटी ऑफ गोल्ड भी कहते हैं, वहां भी लोग सोने के दाम बढ़ने से परेशान हैं। 22 कैरेट सोना शादी और त्योहारों में खूब खरीदा जाता था। लेकिन अब दाम बढ़ने से लोग हीरे और कम सोने के गहने खरीदने लगे हैं।

रिकॉर्ड ऊंचाई पर हैं सोने के दाम- रॉयटर्स के अनुसार, दुकानदारों का कहना है कि अब कम लोग आ रहे हैं और खरीदारी भी कम हो रही है। लोगों को सोना महंगा लग रहा है। लैब में बने हीरे अब ज्यादा बिक रहे हैं, क्योंकि वे सस्ते होते हैं। अगर सोने के दाम 2025 तक ऐसे ही बढ़ते रहे तो भारत और खाड़ी देशों में गहनों की मांग और भी कम हो सकती है। कारण है कि इन देशों में गहने खरीदने का तरीका एक जैसा ही है।

सोना इस साल 22,650 महंगा

अगले एक माह में 8 फीसदी तक घट सकते हैं दाम; अक्षय तृतीया और शादी में मांग तेज

नईदिल्ली, एजेंसी। टैरिफ वार शुरू होने के बाद दुनियाभर में उपजी अनिश्चितताओं के बीच सोना लगातार नए रिकॉर्ड बना रहा है।मंगलवार को यह दिल्ली सराफा बाजार में एक लाख रुपये के मनोवैज्ञानिक स्तर के पार पहुंच गया है। इसके साथ ही, सोने की कीमत इस साल अब तक 22,650 रुपये या 28.68 फीसदी बढ़ चुकी है। 31 दिसंबर, 2024 को सोना 78,950 रुपये प्रति 10 ग्राम के भाव बंद हुआ था। सराफा कारोबारियों का कहना है कि अक्षय तृतीया जैसे त्योहार और शादी-विवाह के सीजन में मांग बढ़ने की उम्मीद के चलते आभूषण विक्रेताओं ने सोने की खरीदारी बढ़ाई है, जिससे बहुमूल्य धातु की कीमतों को समर्थन मिला है। केडिया एडवाइजरी के निदेशक अजय केडिया ने कहा, रिकॉर्ड ऊंचाई पर पहुंचने के बाद घरेलू बाजार में सोने की कीमत अगले एक महीने में घटकर 91,000 से 92,000 रुपये के स्तर पर आ सकती है, जो 7-8 फीसदी की गिरावट को दर्शाता है। अगर व्यापार युद्ध में नरमी आती है और अनिश्चितताएं कुछ कम होती हैं, तो सोने में और बड़ी गिरावट आ सकती है।

सलाह : दाम घटने का करें इंतजार

अजय केडिया ने कहा, अक्षय तृतीया पर सोना खरीदना शुभ माना जाता है। लेकिन, मौजूदा हालात में कीमतें जिस रिकॉर्ड ऊंचाई पर पहुंच गई हैं, उसमें नई खरीदारी से बचना चाहिए। सोना एक साल में 40 फीसदी का रिटर्न दे चुका है। 1980 के बाद से किसी भी एसेट क्लास ने इतना बड़ा रिटर्न नहीं दिया है।

अडानी ग्रुप ने टेलीकॉम बिजनेस के पल्ला झाड़ा

● ग्रुप ने तीन साल पहले नीलामी में स्पेक्ट्रम खरीदा था ● अब इसे सुनील मित्तल की एयरटेल को बेचा जा रहा है

नई दिल्ली, एजेंसी। अमूमन ऐसा कम ही देखने को मिलता है कि गौतम अडानी किसी प्रोजेक्ट में हाथ डालें और फिर पीछे हट जाएं। लेकिन पहली बार ऐसा होने जा रहा है। भारत और एशिया के दूसरे सबसे बड़े रईस ने टेलीकॉम सेक्टर से हाथ पीछे खींचने का फैसला किया है। अडानी ग्रुप ने साल 2022 में जो स्पेक्ट्रम खरीदा था, उसे भारती एयरटेल को बेचने का फैसला किया है। अडानी डेटा नेटवर्क्स ने 26त्न॥5 बैंड में 400 एमएच5 स्पेक्ट्रम लगभग 212 करोड़ रुपये में खरीदा था। अब यह स्पेक्ट्रम एयरटेल को मिल जाएगा। अडानी ग्रुप ने पहले कहा था कि वह इस स्पेक्ट्रम का इस्तेमाल अपने निजी इस्तेमाल के लिए करेगा। लेकिन टेलीकॉम विभाग के नियमों के अनुसार स्पेक्ट्रम खरीदने वाली कंपनियों को कुछ शर्तों को पूरा करना होता है। ऐसा न करने पर जुर्माना लग सकता है।

सुनील भारती मित्तल की अगुवाई वाली कंपनी एयरटेल ने कहा कि भारती एयरटेल और उसकी सहायक कंपनी भारती हेक्साकॉम ने अडानी एंटरप्राइजेज की सहायक कंपनी अडानी डेटा नेटवर्क्स के साथ एक समझौता किया है। इस समझौते के तहत एयरटेल को गुजरात (100एमएच5), मुंबई (100एमएच5), आंध्र प्रदेश (50एमएच5), राजस्थान (50एमएच5), कर्नाटक (50एमएच5) और तमिलनाडु (50एमएच5) में 26जीएच5 बैंड का 400एमएच5 स्पेक्ट्रम इस्तेमाल करने का अधिकार मिलेगा। कंपनी ने यह भी कहा कि यह सौदा कुछ शर्तों और सरकारी मंजूरियों के बाद पूरा होगा।

क्यों खींचे हाथ

साल 2022 में अडानी ग्रुप के टेलीकॉम सेक्टर में आने के बाद कई तरह की बातें हो रही थीं। माना जा रहा है कि अडानी ग्रुप वोडाफोन आइडिया जैसी मुश्किलों में फंसी कंपनियों को खरीद सकता है। अडानी ग्रुप ने एयरपोर्ट, सीमेंट, डेटा सेंटर, बिजली और अन्य इन्फ्रास्ट्रक्चर प्रोजेक्ट्स में आक्रामक तरीके से काम किया है। इसलिए माना जा रहा था कि वह टेलीकॉम और डिजिटल सेक्टर में भी रिलायंस जियो जैसा धमाल कर सकता है। लेकिन अडानी ग्रुप ने ने हमेशा कहा कि वह सिर्फ अपने निजी इस्तेमाल के लिए स्पेक्ट्रम का इस्तेमाल करना चाहते हैं। वह एयरपोर्ट से लेकर बिजली और डेटा सेंटर तक अपने बिजनस को सपोर्ट करने के लिए एक प्राइवेट नेटवर्क बनाना चाहता है। जानकारों का कहना है कि अडानी ग्रुप का फोकस दूसरे बड़े निवेश वाले सेक्टरों पर है। इसलिए उसने टेलीकॉम सेक्टर से बाहर निकलने का फैसला किया होगा। एक जानकार ने कहा कि भारी निवेश और इस बिजनस में कड़ी प्रतिस्पर्धा के कारण शायद ग्रुप ने इससे दूर रहने का फैसला किया। टेलीकॉम सेक्टर में बहुत पैसा लगाना पड़ता है और कड़ी प्रतिस्पर्धा है। शायद यही वजह है कि अडानी ग्रुप ने अपने कदम पीछे खींच लिए।

आयकर विभाग ने पोर्टल पर शुरू की ई-पे टैक्स सुविधा, करों का आसानी से भुगतान कर सकेंगे करदाता

नईदिल्ली, एजेंसी। आयकर विभाग ने अपने आधारिक ऑनलाइन पोर्टल पर ई-पे टैक्स सुविधा शुरू की है। विभाग ने मंगलवार को कहा है कि उसने करदाताओं की सुविधा को ध्यान में रखते हुए यह फैसला लिया है। अब करदाता अपने करों का भुगतान आसानी से कर सकेंगे। आयकर विभाग ने एक बयान में कहा, विभाग द्वारा शुरू की गई ई-पे टैक्स सुविधा आपके कर दायित्वों को पूरा करने का एक सुंदर, कुशल और परेशानी मुक्त तरीका है।

विभाग ने आगे कहा कि अब बैंकों में लंबी कतारें, थकाऊ फॉर्म भरने और आखिरी समय में कर भुगतान की चिंता के दिन खत्म हो गए हैं। टैक्स भरने को आसान और सुविधाजनक बनाने के लिए, और लोगों को डिजिटल तरीके से सशक्त करने की दिशा में एक और कदम उठाते हुए, आयकर विभाग ने अपने आधिकारिक ऑनलाइन पोर्टल पर ई-पे टैक्स सुविधा शुरू की है।

टैक्स भुगतान प्रक्रिया में रुकावटों को दूर करेगी सुविधा- आयकर विभाग ने कहा कि यह सुविधा टैक्स भुगतान प्रक्रिया में रुकावटों को दूर करेगी। साथ ही समय पर टैक्स भरने की संस्कृति को भी प्रोत्साहित करेगी।

ट्रंप के नए टैरिफ ऐलान से प्रॉफिट में आई वारी एनर्जीज

नई दिल्ली, एजेंसी। सोलर फोटोवोल्टिक मॉड्यूल निर्माता वारी एनर्जीज के शेयरों में मंगलवार की बंपर तेजी के बाद आज बुधवार को भी तेजी देखी गई। कंपनी के शेयर शुरुआती कारोबार में ही 9 प्रतिशत से अधिक चढ़ गए और 2855 रुपये के इंट्रा डे हाई पर पहुंच गए थे। इसका पिछला बंद प्राइस 2611.85 रुपये था। इससे पहले मंगलवार को भी कंपनी के शेयर 6 प्रतिशत तक चढ़ गए थे। बता दें कि शेयरों में इस तेजी के पीछे शानदार तिमाही नतीजे हैं। इसके अलावा, ट्रंप का एक ऐलान है। दरअसल, अमेरिका द्वारा चार दक्षिण-पूर्वी एशियाई देशों से सोलर इक्विपमेंट के आयात पर एंटी-डंपिंग शुल्क लगाए जाने के बाद सोलर एनर्जी इक्विपमेंट निर्माण कंपनियों के शेयरों में तेजी देखी जा रही है। सोमवार को कंबोडिया, वियतनाम, मलेशिया और थाईलैंड से आयात पर 3,521 प्रतिशत तक के नए शुल्क लगाए हैं। इससे भारतीय सोलर एनर्जी इक्विपमेंट बनाने वाली कंपनियों के शेयरों में तेजी है।

मार्च तिमाही के नतीजे- इधर, बीते मंगलवार को ही कंपनी ने वित्त वर्ष 2024-25 की चौथी तिमाही के लिए अपने वित्तीय परिणाम जारी किए। मार्च तिमाही में सौर पैनल निर्माता वारी एनर्जीज लिमिटेड का नेट प्रॉफिट 34.1 प्रतिशत सालाना आधार पर बढ़कर 618.9 करोड़ रुपये रहा। पिछले वित्त वर्ष की इसी तिमाही में वारी एनर्जीज ने 461.5 करोड़ रुपये का नेट प्रॉफिट कमाया था। कंपनी का रेवेन्यू 36.4 प्रतिशत बढ़कर 4,003.9 करोड़ रुपये हो गया, जबकि पिछले वित्त वर्ष की इसी अवधि में यह 2,935.8 करोड़ रुपये था। परिचालन स्तर पर, इबीआईटीडीए इस वित्त वर्ष की चौथी तिमाही में 120.6 प्रतिशत बढ़कर 922.6 करोड़ हो गई, जो पिछले वित्त वर्ष की इसी अवधि में 418.3 करोड़ थी। रिपोर्टिंग तिमाही में इबीआईटीडीए मार्जिन 23 प्रतिशत रहा, जबकि पिछले वित्त वर्ष की इसी अवधि में यह 14.3 प्रतिशत था। इबीआईटीडीए ब्याज, कर, मूल्यह्रास और परिशोधन से पहले की आय है।

रन बनाने वाले बल्लेबाज

लखनऊ, एजेंसी। केएल राहुल इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) में सबसे तेज 5000 रन बनाने वाले बल्लेबाज बन गए हैं। विकेटकीपर बल्लेबाज ने मंगलवार को लखनऊ सुपर जायंट्स (एलएसजी) पर दिल्ली कैपिटल्स की आठ विकेट की जीत के दौरान यह उपलब्धि हासिल की। राहुल ने 130 पारियों में यह उपलब्धि हासिल की और इस सूची में डेविड वॉर्नर (135), विराट कोहली (157), एबी डिविलियर्स (161) और शिखर धवन (168) को पीछे छोड़ दिया।

आईपीएल 2024 में (लखनऊ सुपर जायंट्स) के लिए कप्तानी कर चुके राहुल इस साल दिल्ली कैपिटल्स के लिए विकेटकीपर बल्लेबाज के तौर पर खेल रहे हैं। गत वर्ष राहुल की लखनऊ सुपर जायंट्स के मालिक से तीखी नोकझोंक के बाद फ्रैंचाइजी द्वारा उन्हें रिलीज कर दिया गया था। राहुल ने लखनऊ सुपर जायंट्स के सामने 42 गेंदों पर पर नाबाद 57 रनों का पारी खेली। उन्होंने एडन मारक्रम, दिग्वेश राठी और रवि बिश्नोई के स्पिन आक्रमण के खिलाफ सावधानी से बल्लेबाजी की।

हालांकि, बीच-बीच में वह अपने शॉट्स भी खेलते रहे। राहुल ने 40 गेंदों में तीन चौकों और 3 छक्कों की मदद से अर्धशतक बनाया और अक्षर पटेल के साथ मिलकर लखनऊ के गेंदबाजों को वापसी करने का मौका नहीं दिया। उन्होंने प्रिंस यादव की गेंद पर छक्का लगाकर मैच अपने नाम कर लिया। राहुल इस सीजन में जबरदस्त फॉर्म में हैं, वह हाल ही में 200 आईपीएल छक्के लगाने वाले सबसे तेज भारतीय बने और वे वेस्टइंडीज के बड़े हिटर क्रिस गेल और आंद्रे रसेल के बाद तीसरे सबसे तेज खिलाड़ी हैं।

राहुल इस सीजन में दिल्ली के लिए शानदार फॉर्म में हैं और उन्होंने इस मौके पर अच्छा प्रदर्शन किया है। इस सीजन में उनका स्ट्राइक रेट 155.67 रहा है जो लीग में उनके 12 सीजन का दूसरा सबसे अधिक स्ट्राइक रेट है। 33 वर्षीय खिलाड़ी ने आठ पारियों में 359 रन बनाए हैं और टीम की जीत में अहम भूमिका निभाई है।

उनका सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु के खिलाफ रहा, जब उन्होंने नाबाद 93 रन की पारी खेली और टीम को छह विकेट से जीत दिलाई। राहुल निजी कारणों के चलते दिल्ली कैपिटल्स के लिए अपना पहला मैच नहीं खेल पाए थे।

केएल राहुल और विराट कोहली के बीच हैरतअंगेज संयोग, इस लत के बारे में जानकर ठनक जाएगा माथा

नई दिल्ली, एजेंसी। केएल राहुल और विराट कोहली. दोनों दो अलग बल्लेबाज. खेलने का अंदाज अलग, मिजाज अलग. लेकिन, लत दोनों को एक सी लगी है. आदत दोनों की एक सी दिख रही है. दोनों को लगी लत का नतीजा अब ये है कि उनके साथ एक हैरतअंगेज संयोग जुड़ चुका है. सबसे पहले तो ये जान लीजिए कि दोनों को लत क्या लगी है? उसके तार आईपीएल में रन चेज कर इनके मैच जिताने से जुड़ते हैं. और, संयोग ये है कि उस मामले में दोनों की कहानी पिछले 7 सालों से हूबहू एक सी है. आईपीएल में चेज करते हुए टीम को जिताने के दौरान केएल राहुल ने जितने रन बनाए हैं, पिछले 7 सालों में उतने ही रन विराट कोहली के बल्ले से भी निकले हैं. मतलब साल 2018 से अब तक कोहली और राहुल आईपीएल में चेज कर रन बनाने और मैच जिताने के मामले में एक जैसे हैं. आईपीएल में विनिंग चेज में विराट कोहली ने साल 2018 से अब तक 1222 रन बनाए हैं. इतने ही रन इस दौरान केएल राहुल के भी हैं. अब दो बल्लेबाजों के बीच ऐसी समानता देखकर माथा तो ठनकेगा ही.

दो बल्लेबाज, सात साल, फिर भी एक बराबर रन

आईपीएल में विराट कोहली ने विनिंग चेज में 1222 रन 76.38 की औसत और 144.4 की स्ट्राइक रेट से बनाए हैं. उन्होंने इस दौरान 12 फिफ्टी प्लस स्कोर बनाए हैं, जिसमें 100 रन उनका बेस्ट स्कोर है. वही अगर केएल राहुल की बात करें तो उन्होंने अपने 1222 रनों की स्क्रिप्ट 81.47 की औसत और 149.2 की स्ट्राइक रेट से लिखी है. उन्होंने 14 फिफ्टी प्लस स्कोर जड़े हैं. जबकि नाबाद 98 रन राहुल का बेस्ट स्कोर रहा है.

आईपीएल 2025 में विराट और राहुल की टीम

आईपीएल में विराट कोहली आरसीबी का हिस्सा हैं. वहीं केएल राहुल ने 2018 से अब तक कई टीमों से क्रिकेट खेला है. आईपीएल 2025 में राहुल दिल्ली कैपिटल्स का हिस्सा हैं और शानदार प्रदर्शन कर रहे हैं. आईपीएल 2025 में विराट और राहुल दोनों की ही टीमें अच्छा प्रदर्शन कर रही हैं. राहुल की टीम दिल्ली कैपिटल्स पॉइंट्स टेबल में फिलहाल नंबर दो पर है. वहीं विराट कोहली की रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु भी टॉप फोर में बनी है.

टाइगर श्रॉफ को जान से मारने की धमकी के मामले में बड़ा खुलासा

बॉलीवुड स्टार्स की चमक-धमक भरी लाइफ को देख हर किसी के मन में यह जरूर आता है- वाह! क्या लाइफ है, लेकिन यह स्टारडम उनकी कई परेशानियों का कारण भी बन जाता है। उन्हें कड़ी सुरक्षा में चलना पड़ता है। कभी वह फैंस की भीड़ से घिर जाते हैं, तो कभी कोई उन्हें जान से मारने की धमकी दे देता है। ऐसी ही जान से मारने की धमकी को लेकर एक्टर टाइगर श्रॉफ सुर्खियों में बने हुए हैं। जब इस बात की खबर मुंबई पुलिस को मिली, तो उनके पैरों तले जमीन खिसक गई। हालांकि बाद में इस मामले में चौंकाने वाला मोड़ सामने आया। दरअसल, मुंबई पुलिस कंट्रोल रूम को एक फोन आया, जिसमें पुलिस को बताया गया कि सिक्योरिटी कंपनी ट्रिग के कुछ लोग एक्टर टाइगर श्रॉफ की हत्या करने जा रहे हैं। उनकी हत्या के लिए हथियार और दो लाख की सुपारी भी दी गई है। इस फोन कॉल के बाद पुलिस हरकत में आ गई और फौरन जांच शुरू कर दी।

जांच में सूचना को गलत पाया गया और पता चला कि यह फोन कॉल 35 वर्षीय मनीष कुमार सुजिंदर सिंह ने की है, जो मूल रूप से पंजाब का रहने वाला है। खार पुलिस ने आरोपी के खिलाफ मामला दर्ज कर लिया है और आगे की जांच कर रही है। आए दिन अभिनेताओं को जान से मारने की धमकी मिलती रही है। इस लिस्ट में सबसे पहला नाम बॉलीवुड एक्टर सलमान खान का आता है। इससे पहले सलमान को भी कंट्रोल रूम में इसी तरह की धमकी भरी कॉल आई थी। उन्हें कई बार गैंगस्टर लॉरेंस बिश्नोई और उनके गैंग की तरफ से जान से मारने की धमकी मिल चुकी हैं। उनके मुंबई स्थित घर में दो बाइक सवारों ने फायरिंग भी की थी, जिसके बाद उनकी सुरक्षा को बढ़ा दिया गया।

टाइगर श्रॉफ की बात करें तो उन्होंने साल 2014 में फिल्म हीरोपंती से करियर की शुरुआत की थी। इस फिल्म में उनके साथ एक्ट्रेस कृति सेनन नजर आई थीं, दोनों की केमिस्ट्री

पुलिस ने आरोपी के खिलाफ दर्ज किया केस

को काफी पसंद किया गया। इसके बाद वह बागी में नजर आए, जिसमें उन्होंने अपने स्टंट और फाइट सीक्वेंस से लोगों को अपना दीवाना बना दिया। इसके अलावा, उन्होंने ए फ्लाइंग जट्ट, मुन्ना माइकल, हीरोपंती 2, वॉर, स्टूडेंट ऑफ द ईयर, गणपत, बागी-2, बागी 3 और सिंघम अगेन जैसी फिल्मों के जरिए बॉलीवुड में स्टारडम हासिल किया। वह अब बागी 4 की तैयारियों में जुटे हैं।

तय समय पर रिलीज नहीं होगी विजय देवरकोंडा की किंगडम? अनिरुद्ध रविचंदर बने फिल्म में देरी की वजह

विजय देवरकोंडा इन दिनों अपनी बहुप्रतीक्षित एक्शन थ्रिलर फिल्म किंगडम को लेकर चर्चा में बने हुए हैं। निर्माताओं ने हाल ही में फिल्म का पहला टीजर जारी किया था, जिसके बाद से फैंस के बीच इस फिल्म को लेकर और उत्साह बढ़ गया। हालांकि, अब लगता है कि फिल्म की रिलीज पर संकट आ गया।

फिल्म की रिलीज में हो सकती है देरी

विजय देवरकोंडा ने जर्सी के निर्देशक गौतम तिन्नानुरी के साथ किंगडम के लिए हाथ मिलाया। यह फिल्म एक साल से अधिक समय से बन रही है और 30 मई, 2025 को स्क्रीन पर आने के लिए पूरी तरह तैयार है, लेकिन ताजा चर्चा के अनुसार, किंगडम की रिलीज को टाला जा सकता है। इसके कई कारण हैं, लेकिन फिल्म के साथ सबसे बड़ी समस्या संगीत है।

इस वजह से फिल्म में हो रही देरी

अनिरुद्ध किंगडम के लिए संगीत तैयार कर रहे हैं और उन्हें अभी बैकग्राउंड स्कोर तैयार करना है। उन्हें अभी बहुत सारा काम पूरा करना है, और चूंकि वे कई प्रोजेक्ट्स में व्यस्त हैं, इसलिए उन्हें विजय की फिल्म के लिए समय नहीं मिल पा रहा है। ओटीटी प्ले के अनुसार, निर्माता थोड़े चिंतित हैं, क्योंकि उन्होंने किंगडम के लिए भारत भर में व्यापक प्रचार की योजना बनाई है और यदि वे तारीख से चूक जाते हैं तो उन्हें अगस्त 2025 की ओर देखना होगा, क्योंकि मई और जून में अन्य तेलुगु बड़ी फिल्में रिलीज होंगी।

फिल्म का एक शेड्यूल भी है बाकी

निर्माता नागा वामसी ने अपने कई साक्षात्कारों में खुलासा किया कि अनिरुद्ध एक ऐसे संगीतकार हैं, जो दबाव में काम नहीं करते और अपनी शर्तों पर काम पूरा करते हैं।

कोई भी कश्मीरी कभी किसी पर्यटक को निशाना नहीं बनाता

पहलगाम हमले पर बोले संजय सिंह

नईदिल्ली, एजेंसी।
जम्मू-कश्मीर के पहलगाम में एक पर्यटक स्थल पर मंगलवार को हुए आतंकी हमले में आतंकियों ने 26 पर्यटकों की जान ले ली। आतंकवादियों ने लोगों को उनका धर्म पूछकर मारा। इस आतंकी घटना को लेकर देश के लोगों में भयानक गुस्सा है। आम आदमी पार्टी के राज्यसभा सांसद संजय सिंह ने भी इस घटना को लेकर कड़ा रोष जताते हुए केंद्र सरकार से आतंकवादियों के खिलाफ कड़ी से कड़ी कार्रवाई करने और उन्हें उन्हीं की भाषा में जवाब देने को कहा है।

संजय सिंह ने कहा, 'भारत के अंदर आतंकवादियों का पिछले कई वर्षों में सबसे बड़ा हमला है। कश्मीर में जो भी वारदातें हुई हैं, आतंकवादी घटनाएं हुई हैं, कभी पर्यटकों को निशाना नहीं बनाया गया। लेकिन ये कायराना और दरिंदगी भरी हरकत, दुस्साहस, निहत्थे लोगों को निर्ममता से

मारने का काम आतंकवादियों ने पहलगाम, कश्मीर में किया है।'

आगे उन्होंने कहा, इससे एक बात यह भी साबित होती है, ये देश के दुश्मन तो हैं, भारत की शांति को तो भंग करना चाहते हैं, दरिंदगी, हैवानियत और आतंकवाद फैलाना चाहते हैं, लेकिन ये कश्मीरियों के भी सगे नहीं हैं। क्योंकि कोई भी कश्मीरी कभी किसी पर्यटक को निशाना नहीं बनाता। ये कौन लोग हैं, कहां से प्रायोजित आतंकवाद है, ये सभी विषय की जांच, जांच एजेंसियां और केंद्र सरकार करेगी। लेकिन मैं सिर्फ यह कहना चाहूंगा, यह जो हैवानियत की और दहशतगर्दी की जो घटना हुई है, आतंकवादियों को उनकी ही भाषा में केंद्र की सरकार द्वारा जवाब देना चाहिए।

आगे उन्होंने कहा, मैं इस घटना में मारे गए लोगों के प्रति अपनी गहरी संवेदना व्यक्त करता हूं। बहुत ही दुखद घटना है, दहशतगर्दी से दुनिया का कोई भी मुल्क आगे नहीं बढ़ पाया है। मैं आम आदमी पार्टी और अपनी ओर से उन परिवारों के प्रति संवेदना व्यक्त करता हूं, ईश्वर से प्रार्थना करता हूं कि जो लोग इस आतंकवादी घटना में मारे गए हैं, उनकी पुण्य आत्मा को ईश्वर अपने चरणों में स्थान दे। फिर मैं दोहरा रहा हूं कि केंद्र सरकार को आतंकवादियों को उनकी ही भाषा में जवाब देना चाहिए।

बता दें कि दक्षिण कश्मीर के अनंतनाग जिले में प्रसिद्ध पर्यटन स्थल पहलगाम के निकट मंगलवार को एक आतंकवादी हमले में कम से कम 26 पर्यटकों की मौत हो गई है। अधिकारियों ने बताया कि हमला बैसरन मैदानी क्षेत्र में हुआ, जिसे मिनी स्विटजरलैंड भी कहा जाता है। पहलगाम शहर से लगभग छह किलोमीटर दूर बैसरन चीड़ के पेड़ों के घने जंगलों और पहाड़ों से घिरा एक विशाल घास का मैदान है तथा देश व दुनिया के पर्यटकों के बीच पसंदीदा स्थान है।

दिल्ली में अब नहीं होगी टिकट की धांधली, बसों में लगेंगे एपीसी कैमरे

नईदिल्ली, एजेंसी।
दिल्ली में बसों के संचालन में हो रहे घाटे के बाद अब टिकट जारी करने में धांधली को पकड़ने के लिए पहली बार तकनीकी तौर पर इंतजाम किए गए हैं। दिल्ली में देवी योजना के तहत जल्द शुरू होने वाली नौ मीटर लंबी इलेक्ट्रिक बसों में यात्रियों की गिनती का डाटा तैयार करने के लिए ऑटोमेटिक पैसेंजर काउंटिंग (एपीसी) कैमरे लगाए गए हैं। ये कैमरे प्रत्येक शिफ्ट के दौरान बसों में सफर करने वाले यात्रियों की संख्या का रिकॉर्ड तैयार कर सर्वर को भेजेंगे। इस डाटा का मिलान कंडक्टर की ओर से जारी किए गए टिकटों की संख्या से किया जाएगा। प्रत्येक बस के दोनों द्वारों पर ये कैमरे लगाए गए हैं। इनमें लगे सेंसर और काउंटर के माध्यम से यात्रियों की गिनती खुद-ब-खुद होती रहेगी।

कैमरों को लगाने वाली कंपनी के अधिकारी ने बताया सभी कैमरों को बसों का संचालन करने वाली संस्था डिम्ट्स और डीटीसी के सर्वर से जोड़ दिया गया है। जैसे ही बस रूट पर उतरेगी तो कैमरे अपना काम करना शुरू कर देंगे। कंपनी का कहना है कि कैमरों का डाटा बस में लगी डिवाइस में भी रहेगा, लेकिन एक निधारित अवधि तक ही यह स्टोर किया जाएगा। सर्वर पर यह डाटा तब तक रहेगा, जब तक कंपनी उसे खुद डिलीट नहीं करेगी। लंबी अवधि के बाद भी अगर इस डाटा की जरूरत पड़ेगी तो यह उपलब्ध रहेगा। कंपनी का कहना है कि दिल्ली की बसों में पहली बार इन कैमरों का इस्तेमाल किया जाएगा।

इन लो-फ्लोर बसों में दिव्यांग यात्री अपनी व्हीलचेयर के साथ सफर कर सकेंगे। बस में एक फोल्डेबल रैंप बनाया गया है। अगर कोई दिव्यांग यात्री व्हीलचेयर लेकर आता है तो इस रैंप को खोलकर उन्हें अंदर ले जाया जा सकेगा। बसों में यात्रियों की सुरक्षा का भी ध्यान रखा गया है। इसके लिए बस में दो कैमरे लगाए गए हैं, जो हर गतिविधि पर नजर रखेंगे। इसका मकसद बसों में महिला यात्रियों की सुरक्षा बढ़ाना भी है।

रेखा सरकार का एससी, एसटी और ओबीसी बहुल बस्तियों के विकास पर फोकस

नईदिल्ली, एजेंसी। दिल्ली की रेखा गुप्ता सरकार अनुसूचित जाति (एससी), अनुसूचित जनजाति (एसटी) और अन्य पिछड़ा वर्ग (ओबीसी) निवासियों की मुख्य आबादी वाली बस्तियों के विकास पर फोकस करेगी। एक आधिकारिक बयान में कहा गया है कि दिल्ली सरकार सार्वजनिक शौचालयों, कच्ची सड़कों की मरम्मत करेगी और बस्तियों को सीसीटीवी कैमरों से लैस करेगी। दिल्ली के समाज कल्याण मंत्री रविंदर इंद्राज सिंह ने मंगलवार को एससी, एसटी, ओबीसी कल्याण विभागों के अधिकारियों के साथ इस मुद्दे पर बैठक की। इस बैठक में इन बस्तियों में मौजूदा चुनौतियों पर चर्चा की गई। इसमें खराब स्वच्छता, अपर्याप्त जल निकासी, क्षतिग्रस्त सड़कें और अपर्याप्त सार्वजनिक सुविधाएं जैसे मुद्दे शामिल रहे। इन समस्याओं के निराकरण के लिए विभाग ने एक व्यापक विकास की योजना प्रस्तावित की है। बैठक में सार्वजनिक शौचालयों, स्नानघरों की मरम्मत और निर्माण, कच्ची सड़कों को पक्का करने और मार्गों पर सीमेंट-कंक्रीट बिछाना शामिल है। योजना में बैठने की जगह के साथ सार्वजनिक पार्क, युवाओं के लिए खेल के मैदान और सामुदायिक पुस्तकालय का निर्माण करना शामिल है। आधिकारिक बयान में कहा गया है कि दिल्ली के समाज कल्याण मंत्री रविन्द्र इंद्राज सिंह ने एस्ट, स्ज्ञ और ओबीसी कल्याण विभागों के अधिकारियों के साथ बैठक कर इन बस्तियों में मौजूदा चुनौतियों पर चर्चा की। दिल्ली के समाज कल्याण मंत्री रविन्द्र इंद्राज सिंह ने अधिकारियों को सभी कल्याणकारी योजनाओं को तेजी से लागू करने का निर्देश दिया। उन्होंने अधिकारियों को यह सुनिश्चित करने का निर्देश दिया कि विकास कार्यों का लाभ समुदाय के पात्र वर्गों तक पहुंचे। मैंने हाशिए पर पड़े समूहों के सशक्तिकरण के प्रति दिल्ली सरकार की प्रतिबद्धता जताते हुए इस बात पर बल दिया है कि अनुसूचित जाति, अनुसूचित जनजाति, अन्य पिछड़ा वर्ग की बस्तियों में विकास कार्य प्राथमिकता के आधार पर किए जाएंगे।

निशाने पर था छोटा भाई, गलती से प्रॉपर्टी डीलर को मार डाला; दिल्ली के पश्चिम विहार मर्डर में चौंकाने वाला खुलासा

नईदिल्ली, एजेंसी।
पश्चिम विहार ईस्ट में 11 अप्रैल को प्रॉपर्टी डीलर राजकुमार दराल की हत्या में नया खुलासा हुआ है। गिरफ्तार दो हमलावरों ने बताया कि नंदू ने राजकुमार दराल के छोटे भाई की हत्या करने के निर्देश दिए थे। लेकिन पहचान में गलती होने से प्रॉपर्टी डीलर मारा गया। जांच से जुड़े पुलिस अधिकारी ने बताया कि शुभम और शौकीन खान को लखनऊ एयरपोर्ट पर 13 अप्रैल को पकड़ा गया था। फिलहाल दोनों अंबाला पुलिस की हिरासत में हैं। दोनों ने पूरी वारदात के बारे में जानकारी दी।

आरोपियों ने बताया कि उन्हें राजकुमार दराल के छोटे भाई अमर की हत्या के लिए कहा गया था। हमलावरों को अमर की एसयूवी और उसके नंबर के बारे में जानकारी दी गई थी। लेकिन 11 अप्रैल को राजकुमार दराल उस एसयूवी में जिम जाने के लिए निकला और हमलावरों ने उसे गोलियों से भून दिया।

पुलिस अधिकारी ने बताया कि राजकुमार का भाई मंजीत महाल का करीबी बताया जा रहा है। मंजीत महाल के रिश्तेदारों की बीते साल दिसंबर में पंचकूला के पास ढाबे पर हत्या हो गई थी। इस हमले में मामा-भांजे समेत तीन लोगों की मौत हुई थी। इस मामले में मंजीत पैरोल पर जब बाहर

आया था तब राजकुमार का भाई मिलने गया था।

स हत्याकांड में तरनजीत और सूरज फरार हैं। पुलिस को शक है कि दोनों नेपाल सीमा की तरफ गए हैं। जांच में सामने आया कि लखनऊ में शुभम एवं शौकीन एक साथ हो गए और वह दोनों अलग होटल में छिप गए। तरनजीत व सूरज को दोनों के एयरपोर्ट पर पकड़ने की सूचना मिल गई थी। दरअसल, इन्होंने भागते समय एक फोन खरीदा था जिसका इस्तेमाल होटल के वाई फाई से जोड़कर सिग्नल ऐप से बात करना था। इन्होंने पुलिस से बचने के लिए अपना फोन भी बंद कर लिया। शुभम ने अपने दोस्त शौकीन के साथ मिलकर तरनजीत और सूरज को अपने साथ मिला लिया। दोनों वकालत की पढ़ाई कर रहे थे। वेंकट ने इन्हें दो बार पश्चिम विहार और द्वारका भेजा जहां एक शख्स ने उन्हें अलग-अलग किस्तों में 7.50 लाख रुपये दिए। यह रुपये मार्च के अंतिम सप्ताह और अप्रैल के प्रथम सप्ताह में दिए गए। इसके बाद वेंकट ने हथियारों का इंतजाम किया और शुभम को सिग्नल ऐप पर नजफगढ़ जाने के लिए कहा। यहां मौजूद एक शख्स ने उन्हें हथियार दिया और वह बिना परिचय दिए चला गया। वेंकट हमेशा इन लोगों के कपड़े का रंग और बाइक का मॉडल एवं नबंर बताता था। शुभम ने बताया कि इन्होंने सात अप्रैल को करोल बाग से ढाई लाख रुपये में पुरानी कार खरीदी। इसी कार का इस्तेमाल हत्या में किया गया था। शुभम ने बताया कि वह 2022 में हरियाणा की जेल में बंद था। तभी उसकी मुलाकात वेंकट गर्ग हुई थी जो नंदू का मित्र है। वेंकट 2023 में ऑस्ट्रेलिया चला गया। इसी ने शुभम को नंदू से मिलाने का झांसा दिया था। वेंकट सिग्नल ऐप से शुभम से बात कर साजिश रची थी।

सऊदी अरब के स्लीपिंग प्रिंस का कोमा में रहते हुए मनाया 36वां जन्मदिन

अबुधावी एजेंसी। सऊदी अरब के प्रिंस अल-वलीद बिन खालिद बिन तलाल, जिन्हें अक्सर स्लीपिंग प्रिंस कहा जाता है, उन्होंने पिछले हफ्ते अपना 36वां जन्मदिन मनाया। लेकिन यह जन्मदिन भी उनकी लगभग दो दशक लंबी बेहोशी की हालत में ही बीता। 2005 में लंदन में एक कार दुर्घटना में गंभीर ब्रेन इंजरी के बाद वे कोमा में चले गए थे और तब से अब तक इसी अवस्था में हैं।

प्रिंस अल-वलीद पिछले लगभग 19 सालों से वेंटिलेटर और फ़ीडिंग ट्यूब की मदद से जीवन रक्षक प्रणाली पर हैं। उन्हें रियाद के किंग अब्दुलअज़ीज़ मेडिकल सिटी में एक समर्पित मेडिकल टीम की निगरानी में रखा गया है।

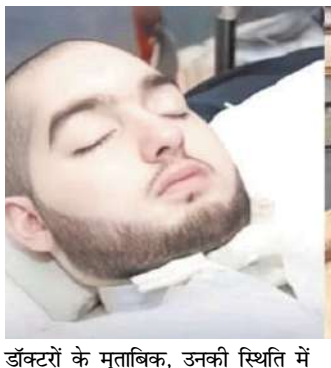

डॉक्टरों के मुताबिक, उनकी स्थिति में इन वर्षों में बहुत कम बदलाव आया है।

2019 में एक समय ऐसा आया था जब उनकी उंगलियों में थोड़ी हरकत देखी गई थी और उनका सिर भी हल्का सा हिला था। यह खबर उन लोगों के लिए उम्मीद की किरण बनी, जो अब भी उनके ठीक होने की दुआ करते हैं। लेकिन उसके बाद कोई ठोस सुधार दर्ज नहीं हुआ है।

परिवार की उम्मीद अब भी कायमल्न प्रिंस अल-वलीद के पिता प्रिंस खालिद बिन तलाल और मां प्रिंसेस रीमा बिंत तलाल अब भी अल्लाह की रहमत और बेटे के जागने की उम्मीद में जी रहे हैं।

प्रिंस खालिद पहले भी कई बार कह चुके हैं कि वह कभी जीवन रक्षक उपकरण हटाने की अनुमति नहीं देंगे, क्योंकि वह इसे अल्लाह की मर्जी मानते हैं। इस साल 18 अप्रैल को उनके जन्मदिन पर परिवार की ओर से कोई आधिकारिक बयान जारी नहीं किया गया। लेकिन सोशल मीडिया पर दुनियाभर से लोगों ने उनके लिए दुआएं भेजीं और उम्मीद जताई कि एक दिन वह फिर से होश में आएंगे।

टेस्ला के गिरते शेयरों से घबराए मस्क, बोले- मई से कंपनी पर करेंगे ज्यादा फोकस

वॉशिंगटन, एजेंसी।
एलन मस्क ने कहा है कि वे मई से टेस्ला को ज्यादा समय देंगे। मस्क का यह बयान ऐसे समय सामने आया है, जब पहली तिमाही में टेस्ला के शेयरों में भारी गिरावट आई है। टेस्ला को इन दिनों लोगों की नाराजगी का सामना करना पड़ रहा है। मस्क के सरकारी दक्षता विभाग के प्रमुख के तौर पर बड़ी संख्या में लोगों को नौकरी से निकालने से अमेरिका का एक बड़ा वर्ग मस्क से नाराज है। इसका सीधा असर टेस्ला पर पड़ रहा है।

मुनाफे में आई भारी गिरावटन्न टेक्सास के ऑस्टिन में टेस्ला का मुख्यालय है। टेस्ला ने मंगलवार को बताया कि उनके मुनाफे में 71 प्रतिशत की गिरावट आई है और यह 40 करोड़ डॉलर रहा। यह अनुमानों से भी ज्यादा है। टेस्ला का राजस्व भी 9 प्रतिशत कम हुआ है और यह 19 अरब डॉलर है। टेस्ला को लेकर लोगों में इतनी नाराजगी है कि टेस्ला की कारों में तोड़फोड़ की जा रही है। कंपनी को अपनी कारें बेचने में काफी परेशानी हो रही है। राष्ट्रपति ट्रंप भी सार्वजनिक तौर पर टेस्ला का समर्थन कर चुके हैं, लेकिन इसके बावजूद हालात नहीं सुधरे हैं। यही वजह है कि अब मस्क ने खुद टेस्ला पर मई से फोकस करने और कंपनी को ज्यादा समय देने का एलान कर दिया है। टेस्ला के कई निवेशक भी शिकायत कर चुके हैं कि सरकार में सरकारी दक्षता विभाग के प्रमुख के तौर पर मस्क अपने बिजनेस पर ध्यान नहीं दे पा रहे हैं। वेडबुश सिक्योरिटीज के डैन इवेस का कहना है कि यह सही दिशा में लिया गया कदम है।

भारत में बढ़ रही चीनी भाषा की प्रासंगिकता...?

भारत और चीन कई अंतर्राष्ट्रीय वाणिज्यिक गतिविधियों में सक्रिय रूप से एक-दूसरे के सहयोगी है। भारत-चीन आर्थिक और वाणिज्यिक व्यापारिक संबंध कई प्लेटफार्मों के जरिए बन रहे हैं। आर्थिक संबंध, विज्ञान और प्रौद्योगिकी पर संयुक्त समूह, सामरिक आर्थिक वार्ता, चीन का विकास अनुसंधान केंद्र, भारत-चीन वित्तीय वार्ता और अन्य संस्थागत तंत्रों के जरिए भारत और चीन के बीच संवाद और कारोबारी-बौद्धिक रिश्ते हैं। इसके साथ ही दोनों देश अंतरराष्ट्रीय संगठन ब्रिक्स के सक्रिय साझेदार हैं। इतना ही नहीं, चीन की करीब 150 से अधिक कंपनियां भारत में कारोबार कर रही हैं। ऑटोमोबाइल, इलेक्ट्रॉनिक्स, बिजली और उपभोक्ता वस्तुओं के क्षेत्र में दोनों देशों का कारोबार आसमान छू रहा है। कई चीनी कंपनियां मशीनरी, बुनियादी ढांचे के निर्माण, आईटी और हार्डवेयर विनिर्माण, मोबाइल हैंडसेट, इलेक्ट्रॉनिक और बिजली क्षेत्र में ईपीसी परियोजनाओं में शामिल हैं।

उमेश चतुर्वेदी

बीते बीस अप्रैल को संयुक्त राष्ट्र में चीनी भाषा दिवस मनाया गया। यूनेस्को के अनुसार दुनिया में सबसे ज्यादा लोगों द्वारा बोली जाने वाली भाषा चीनी या मंदारिन ही है। इसे चीन के अलावा ताइवान, सिंगापुर, मलयेशिया, थाइलैंड, ब्रुनई, इंडोनेशिया और फिलीपिंस में भी इसका व्यवहार हो रहा है। मंदारिन को लेकर भाषा विज्ञानियों में मान्यता है कि यह कठिन भाषा है। हालांकि चीनी भाषाविदों ने इसे पिछली सदी के सत्तर के दशक से ही सहज बनाने की दिशा में बड़ा काम किया है। इसलिए यह पहले की तुलना में अब कहीं ज्यादा सहज हो गई है। इसलिए दुनियाभर में इसे सहज रूप से इसे स्वीकार भी किया जाने लगा है।

जहां तक भारत का सवाल है तो चीन के साथ सीमाओं पर जारी तनातनी के चलते चीनी भाषा की पढ़ाई और जानकारी के लिए भारत में भी क्रेज बढ़ रहा है। गलवान में भारत-चीनी सैनिकों के संघर्ष के बाद चीनी सीमा पर तैनात सैनिकों को चीनी भाषा की जानकारी और शिक्षा देने की कोशिशें हो रही हैं। बेशक भारत का सबसे नजदीकी पड़ोसी चीन है, लेकिन उसकी भाषा और हमारी भाषाओं के बीच संबंधों की कोई सहज कडी नजर नहीं आती। इसलिए इस भाषा को सीखना थोड़ा कठिन होता है। चीन की भाषा को मंदारिन कहते हैं और मंदारिन का शाब्दिक अर्थ ही होता है, कठिन। इसलिए इस भाषा को सीखने के लिए विशेष प्रयास की जरूरत पड़ती है।

मंदारिन में 21 व्यंजन और 16 स्वर होते हैं। इन ध्वनियों को मिलाकर लगभग 420 अलग-अलग शब्दांश बनाए जा सकते हैं। जहां तक मंदारिन में स्वरों की बात है तो इसमें चार स्वर होते हैं। ये चार स्वर - पहला स्वर, दूसरा स्वर, तीसरा स्वर, और चौथा स्वर - कहे जाते हैं। ये स्वर एक शब्दांश के उच्चारण में बदलाव करते हैं और अर्थ को बदल देते हैं। इसके अलावा, एक तटस्थ स्वर भी होता है, जिसे मंदारिन के भाषा विज्ञानी पाँचवाँ स्वर भी मानते हैं।

चीनी भाषा में, अक्षर को ÷हांजी÷ कहा जाता है। ये अक्षर, अंग्रेजी वर्णमाला या हिंदी वर्णमाला के अक्षरों की तरह नहीं हैं। प्रत्येक अक्षर एक शब्द या अर्थ के लिए एक प्रतीक है। चीनी भाषा में हज़ारों अक्षर हैं, लेकिन दैनिक उपयोग में छह हजार से लेकर आठ हजार अक्षरों का प्रयोग होता है। इतने स्वरों को याद रखना आसान नहीं है, इसीलिए मंदारिन को कठिन भाषा कहा जाता है।

भारत में कई संस्थान चीनी भाषा के डिप्लोमा पाठ्यक्रम चला रहे हैं, लेकिन यहां के कई विश्वविद्यालयों मसलन दिल्ली के जवाहर लाल नेहरू विश्वविद्यालय, दिल्ली विश्वविद्यालय, अलीगढ़ मुस्लिम विश्वविद्यालय, झारखंड केंद्रीय विश्वविद्यालय, गुजरात केंद्रीय विश्वविद्यालय, कुमार मंगलम विश्वविद्यालय, गुरूग्राम, पंजाब विश्वविद्यालय, विश्वभारती, जामिया मिलिया इस्लामिया, सिक्किम विश्वविद्यालय के साथ ही देहरादून के दून विश्वविद्यालय समेत कई विश्वविद्यालयों में चीनी भाषा की पढ़ाई होती है। लेकिन अब इसे चीनी सीमा से सटे राज्य उत्तराखंड के स्कूलों में भी पढ़ाया जाने लगा है। इसे पायलट प्रोजेक्ट के रूप में शुरू किया गया है। जिसके तहत उत्तराखंड राज्य के पंद्रह सरकारी स्कूलों के 11 वीं और बारहवीं कक्षा के करीब ढाई सौ बच्चों को चीनी भाषा पढ़ाई जा रही है। इस पहल का मकसद स्कूली छात्रों को मंदारिन भाषा से लैस करना है। इसकी बड़ी वजह यह है कि वैश्विक बाजार में चीन की हिस्सेदारी बढ़ती चली गई है। इतना ही नहीं, चीन आज विश्व की नंबर दो आर्थिक महाशक्ति हो चुका है। इस वजह से चीनी संस्कृति और भाषा के साथ ही आर्थिकी की ओर दुनिया हाथ बढ़ा रही है। इसके लिए चीनी भाषा के कुशल लोगों की वैश्वक स्तर पर जरूरत बढ़ रही है। चीन की कंपनियों और बाजार से संपर्क अंग्रेजी के जरिए भले ही हो जाए,लेकिन वहां की असल जरूरत और समस्या को उसी की भाषा में ही समझा और जाना जा सकता है। इसीलिए चीनी भाषा को लेकर दुनिया भर में उत्सुकता बढ़ी है। उत्तराखंड भी इसी वजह से अपने छात्रों को चीनी भाषा सिखा रहा है।

उत्तराखंड राज्य के पीएमश्री विद्यालयों में जारी इस परियोजना की नींव पौड़ी गढ़वाल के डीएम आशीष चौहान ने 2023 में रखी थी। बच्चों को मंदारिन पढ़ाने का विचार साल 2021 में तत्कालीन भारतीय सेनाओं के चीफ ऑफ स्टॉफ जनरल बिपिन रावत और दून विश्वविद्यालय की कुलपति सुरेखा डंगवाल के बीच चर्चा के बाद आया था। दून विश्वविद्यालय के चीनी अध्ययन विभाग के अध्यक्ष शैंकी चंद्रा के अनुसार, अभी यह परियोजना ऑनलाइन चलाई जा रही है, क्योंकि विश्वविद्यालय के पास अभी फिजिकल क्लास के लिए जरूरी संसाधनों की कमी है।

परियोजना के संचालकों के अनुसार, 'मंदारिन सीखने से वैश्विक स्तर पर नौकरी की संभावनाएं बढ़ेंगी। इसकी वजह यह है कि चीन अब भी भारत के सबसे बड़े व्यापार भागीदारों में एक है। बारहवीं पास कर चुके तीन छात्रों को मंदारिन की वजह से ही पिछले साल भारत के कुछ पड़ोसी देशों में ऊंचे वेतन पर नौकरियां मिल चुकीं हैं। वैसे भारतीय विदेश मंत्रालय के साथ ही चीनी बाजार और कंपनियों के साथ काम करने वाली भारतीय कंपनियों में भी चीनी भाषा जानने वालों की मांग बढ़ी है। चीनी पर्यटकों के साथ काम करने वाले भारतीय होटलों और पर्यटन उद्योग को भी चीनी दुभाषियों की जरूरत बढ़ रही है। लिहाजा इन क्षेत्रों में भी चीनी भाषा के जानकारों की मांग बढ़ी है। एक कहावत है कि आप सबकुछ बदल सकते हैं, पड़ोसी नहीं। चीन भारत का सबसे नजदीकी पड़ोसी है। लिहाजा इस वजह से भी जरूरी है कि चीन की भाषा सीखी जाए। यह सोच भारतीय समाज में भी बढ़ रही है।

भारत और चीन कई अंतर्राष्ट्रीय वाणिज्यिक गतिविधियों में सक्रिय रूप से एक-दूसरे के सहयोगी है। भारत-चीन आर्थिक और वाणिज्यिक व्यापारिक संबंध कई प्लेटफार्मों के जरिए बन रहे हैं। आर्थिक संबंध, विज्ञान और प्रौद्योगिकी पर संयुक्त समूह, सामरिक आर्थिक वार्ता, चीन का विकास अनुसंधान केंद्र, भारत-चीन वित्तीय वार्ता और अन्य संस्थागत तंत्रों के जरिए भारत और चीन के बीच संवाद और कारोबारी-बौद्धिक रिश्ते हैं। इसके साथ ही दोनों देश अंतरराष्ट्रीय संगठन ब्रिक्स के सक्रिय साझेदार हैं। इतना ही नहीं, चीन की करीब 150 से अधिक कंपनियां भारत में कारोबार कर रही हैं। ऑटोमोबाइल, इलेक्ट्रॉनिक्स, बिजली और उपभोक्ता वस्तुओं के क्षेत्र में दोनों देशों का कारोबार आसमान छू रहा है। कई चीनी कंपनियां मशीनरी, बुनियादी ढांचे के निर्माण, आईटी और हार्डवेयर विनिर्माण, मोबाइल हैंडसेट, इलेक्ट्रॉनिक और बिजली क्षेत्र में ईपीसी परियोजनाओं में शामिल हैं। इसके साथ ही चीनी मोबाइल हैंडसेट कंपनियां ओप्पो, वीवो, श्याओमी, वन प्लस आदि भारतीय मोबाइल हैंडसेट बाजार के लगभग सत्तर फीसद हिस्से पर काबिज हैं। इस वजह से भी चीनी भाषा की भारत में पूछ बढ़ रही है और वह जरूरत भी बनती जा रही है। चीन में सक्रिय भारतीय कंपनियों के लिए भी चीनी कंटेंट लेखकों और दुभाषियों की जरूरत बढ़ रही है। यही वजह है कि मंदारिन को लेकर भारत में भी जड़ता टूट रही है।

खरगोन पुलिस ने 12 घण्टे के अंदर नाबालिक बालिका को दस्तयाब कर उसके माता पिता के सुपुर्द किया गया

श्रीमान पुलिस अधीक्षक खरगोन श्री धर्मराज मीना एवं अति. पुलिस अधीक्षक श्रीमति शकुंतला रुहल (देहात) के मार्गदर्शन में जिले के समस्त अनुभाग के अनुविभागीय अधिकारी (पुलिस) व समस्त थाना प्रभारियों को ऑपरेशन मुस्कान अभियान के तहत बालक बालिकाओं की पतारसी करने हेतु निर्देशित किया गया। इसी तारतम्य में अनुविभागीय अधिकारी पुलिस बड़वाह के निर्देशन मे थाना प्रभारी सनावद के नेतृत्व मे पुलिस टीम गठित कर बालक बालिकाओं की दस्तयाबी के संबंध मे ऑपरेशन मुस्कान अभियान चलाकर नाबालिक बालिका के गुम होने की रिपोर्ट पर त्वरित कार्यवाही कर 12 घण्टे के अंदर दस्तयाब कर उसके माता पिता के सुपुर्द किया गया।